इब्रानियों, अध्याय सात [1]

... रात, और जॉयस को गाते हुए सुनना। क्या आप जानते हैं कि यह अपने आप में एक अद्भुत बात है? वह छोटी लड़की, वो यह सब भला कैसे सोच सकती है? और हर रात उसके पास हमारे लिए एक नया होता है। वो यह सब कैसे सोच सकती है, यह वास्तव में छोटा सा विख्यात मन है। प्रभु उस बच्ची को आशीष दें।

[2] अब, कल, ढाई बजे, इंडियाना के चार्ल्सटाउन में अंतिम संस्कार गृह में जाना है। हमारी प्यारी, दिवंगत बहन, बहन कॉल्विन, हम उन्हें अंतिम सम्मान देंगे, अंतिम संस्कार गृह में—में और कब्र पर, कल दोपहर के समय। जो एक समय जीवित थी जैसे आज रात आप जीवित है, और वो उस पर्दे के उस पार चली गयी है जहां आप कभी न कभी होंगे। और वे सब जो सभा में शामिल होना चाहते हैं, इसलिए, उनका आने के लिए स्वागत है। इससे निश्चित रूप से कोल्विन परिवार के लिए एक बड़ी सहायता होगी, यह जानकर कि भवन के लोग यहाँ है, जहाँ वे सब इतने लंबे समय से कलीसिया में गए हैं, और इत्यादि, हम... हमें आपको वहां देखकर खुशी होगी। और मैं सोचता हूँ... हमारे प्रिय भाई मैककिनी, जिन्होंने मेरे भाई के अंतिम संस्कार में प्रचार किया, बहुत वर्ष पहले, जो अंतिम संस्कार का मुख्य भाग है, और मुझे आकर और अंतिम संस्कार की सभाओं में—में उनकी सहायता करने के लिए कहा गया।

[3] अब, मुझे बस आज रात थोड़ी देर हो गई थी। मेरे पास बहुत सारी गतिविधियों या बहुत सी योजनाये होती है, मैं नहीं जानता कि किस ओर जाना है। बहुत सारे फोन आते हैं, और ये बीमार लोग होते और दुर्घटनाएं होती हैं, और लोग फोन करते हैं, कि आ रहे हैं। यहाँ तक जल्दी वापस आने के लिए, मैं अभी कुछ समय पहले तुरंत ही लुइसविले से निकला, और बहुत से फोन को छोडकर जो सचमुच बहुत जरुरी हैं और अवश्य ही किया जाना है, मैं सोचता हूं, अभी, आज रात को ही। और अब हमारे लिए प्रार्थना करें जैसे हम आगे बढ़ते हैं।

[4] और आज सुबह मैं—मैं अपने मूल विषय में कभी भी नहीं पहुंच पाया, इब्रानियों की—की—की किताब के 7वें अध्याय तक। और जब हम आज

रात इसकी ओर जा रहे हैं, मैं भाई ग्राहम स्नेलिंग की सभा के बारे में घोषणा करना चाहता हूं, जो वहां ऊपर यहाँ तंबू पर, ब्रिघम एवेन्यू के अंत में होगी। यदि प्रभु ने चाहा, तो मैं बुधवार की रात वापस आना चाहता हूं। और वहाँ हम एक किसी रात तय करेंगे कि हम एक प्रतिनिधित्व के रूप में आगे जायेंगे, इस सप्ताह में कभी तो, भाई ग्राहम से सभा में भेंट करने के लिए। और वह एक... कहते हैं, "अच्छी भीड़ रही।" और—और वो इस सहायता के लिए हमारे आने की प्रशंसा करेंगे। भाई ग्राहम स्नेलिंग, आप में से कोई भी सभा में उपस्थित हो रहा है, या चाहता है, यह यहाँ ऊपर ब्रिघम एवेन्यू के ठीक अंत में है। कोई भी आपको बता सकता है कि यह कहाँ पर है। ठीक खेल के मैदान के अंत में, तम्बू लगे हुए है। वह आपके सहयोग की प्रशंसा करते है। क्योंकि, हमने एक आराधनालय केनाई उनके साथ अपना सहयोग देने का सौ प्रतिशत वादा किया है, इसलिए हम सहायता करने की कोशिश कर रहे हैं।

5 अब, तो जल्द ही हम स्थान पर आ रहे हैं, प्रभु ने चाहा तो, इब्रानियों के 11वें अध्याय में, कुछ ही रातों में, यदि परमेश्वर की इच्छा हुई तो, और वहाँ मैं समझता हूँ कि हमारे पास एक अच्छा समय भी होगा।

6 ओह, प्रभु ने आज सुबह हमें एक अद्भुत तरीके से आशीष को दिया, किस तरह से उसने हम पर अपनी आत्मा को उँडेला! और अब, आज रात, हम उससे फिर से ऐसा करने की अपेक्षा कर रहे हैं; और फिर बुधवार की रात को, और आगे भी। और—और जिन रातो को मैं नहीं रहता हूँ, यदि मैं बाहर हूं, तो भाई नेविल इसे लेने के लिए यहां पर होंगे।

7 मैं कभी नहीं जानता कि मैं क्या करने जा रहा हूं, हो सकता है कि आप इस घडी यहां हों, और दूसरी घडी कैलिफोर्निया में बुलाया जाए। देखो, आप नहीं जानते कि प्रभु कहाँ पर भेजेगा। यही कारण है कि मेरे लिए यात्रा का कार्यक्रम बनाना और यह कहना कठिन है कि हम हम—हम *ऐसा–और–ऐसा* करेंगे। मैं कोई काम को करना शुरू कर सकता हूं, पर प्रभु मुझे कहीं और भेज देंगा। समझे? इसलिए हम नहीं जानते कि वो क्या करेगा। लेकिन, "यदि प्रभु की इच्छा हुई तो," हम ऐसा कहते हैं। और मुझे लगता है कि हमें आदेश दिया गया है, या आज्ञा दी गई है कि, बाईबल में, "यदि प्रभु की इच्छा हुई, तो हम *इन–इन* कामो को करेंगे।" इसलिए यदि हम कुछ भी करने के वादों को नहीं करते कि हम... या वादों

को पूरा करें, हम महसूस करता है कि हो सकता है प्रभु ऐसा होने के लिए नहीं चाह रहा था।

8 एक दिन, हम अटक गए थे, भाई रॉबर्सन और भाई वुड और मैं। और हम सोचने लगे, "क्यों? " वहाँ बैठे हुए थे, एक नक्शे को देख रहे थे, ठीक नीचे की ओर आते हुए, और हम एक सड़क पर फिर से सीधे उत्तर की ओर पचास मील की दूरी पर चले गए। और जब मैं लगभग चौदह वर्ष की उम्र का था तब से मैं उस महामार्ग पर यात्रा करते आ रहा हूं। और मैं सोचने लगा कि मैंने इसे हमेशा किस तरह से किया। हम तीनों ही वहां पर खड़े थे। हम सभी ने उस महामार्ग की यात्रा की है। सीधे नक़्शे की ओर देखते हुए, 130 पर बढ़ रहे थे, इलिनॉय में से होते हुए, और जरा से मोड़ को लिया, इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि सूरज हमारे सामने के बजाये हमारे पीछे था। हम दक्षिण की बजाये उत्तर की ओर जा रहे थे। और पहली बात जो आप जानते हैं, सड़क को पार किया, मैंने कहा, "यह सही रास्ता नहीं है।" वहाँ आगे की ओर देखा, और पता चला, हम मार्ग से पचास मील बाहर आ गए है। सीधे वापस चले गये... ? ...

9 फिर जब हम वापस आये, तो हम—हम बात कर रहे थे। मैंने कहा, "आप जानते है क्यों? हम... हो सकता है कि प्रभु ने हमें इस तरह बाहर से लेकर गया हो, ताकि यहाँ नीचे कहीं भी एक भयानक दुर्घटना होने से बचाए, जो कुछ तो और कर सकता था। हम जानते हैं कि सारी बाते मिलकर भलाई को उत्पन्न करती हैं उनके लिए जो प्रभु से प्रेम करते हैं। हमें बस यही सब मन में रखना है।"

10 अब, आज रात, हम अब एक छोटे से शिक्षा के विषय को आरंभ कर रहे हैं। और यदि मैं... मैं नहीं सोचता कि हम ले पाएंगे, हो सकता है हम आज रात, को ले... कलीसिया को शिक्षा देने का यह महान अध्याय जो दशमांश पर है। और यह एक महान विषय है, जिस पर हम हफ्तों और हफ्तों तक बने रह सकते हैं, उस एक बात पर, कैसे अब्राहम ने मलिकिसिदक को दशमांश दिया, और चाहे यह अनिवार्य है।

11 क्या यह पंखा वहाँ किसी को तकलीफ पहुँचा रहा है? क्या आप बजाये इसके इसे बंद करेंगे? यदि यह किसी को तकलीफ दे रहा है, उनके चेहरे पर किसी भी पंखे से हवा आ रही है। यदि ऐसा है, तो केवल अपने हाथ को ऊपर उठाएं। और, या तो बस संचालक में एक किसी को भेजेंगे, किसी को

तो यहां भाई के पास भेजेंगे, वह आपके लिए इसे बंद कर देगा। और मैं इसे एक तरह से अपने आप से दूर रखता हूं; मुझे गर्मी होती है और मुझे पसीना आने लगता है, फिर, सबसे पहले जो आप जानते हैं, मेरा—मेरा गला कर्कश हो जाता है। तो, यह आप पर है, इसलिए यह मुझे किसी भी तरह से परेशान नहीं करेगा। हम चाहते हैं कि आप अब आराम से रहें।

हम आपका बहुत अधिक समय लेने की कोशिश नहीं करेंगे, लेकिन हम सीधे वचन की ओर देखेंगे। और इससे पहले कि हम ऐसा करें, आइए हम बस कुछ क्षण के लिए लेखक से बात करें।

12 अब, स्वर्गीय पिता, हम नहीं जानते कि क्या रखा गया है। लेकिन केवल एक चीज जिसे हम जानते हैं, और मानते हैं, कि अच्छी चीजें हमारे सामने रखी हुई हैं। क्योंकि लिखा है, "न आँख ने देखा, न कान ने सुना, और जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ीं, वे ही हैं जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखने वालों के लिये तैयार की हैं।"

13 और हम प्रार्थना करते हैं कि आप आज रात अपने भण्डार में स्वर्ग की खिड़कियों को खोल देंगे, और हमें अपने वचन को देंगे, यह कुछ तो ऐसा होगा जो उपयुक्त है, कुछ तो ऐसा जो मसीही लोगो की नाई हमारे विश्वास को बढ़ाने के लिए है, और जब हम अंदर आए तो हम जो थे, उससे कहीं अधिक—अधिक हमें सुसमाचार पर और अधिक स्थिर बनाये। इसे प्रदान करे, पिता। होने पाए पवित्र आत्मा परमेश्वर के वचन को ले और हमारी आवश्यकता के अनुसार प्रत्येक हृदय तक पहुँचाए। आपके प्रिय पुत्र यीशु के नाम में, हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।

14 अब, इस सुबह, 6वें अध्याय के अंतिम पद को छोड़ते हुए, सो हम सीधे 7वें में जा सकते हैं।

> *जहां यीशु मलिकिसिदक की रीति पर सदा काल का महायाजक बन कर,* हमारे लिये *अगुवे की रीति पर प्रवेश हुआ है।*

15 अब हम पहले तीन पदों को, या पहले दो पदों को, या मेरा मतलब पहले तीन पदों को पढ़ने जा रहे हैं, 7वें अध्याय के, ताकि हम सीधे आरंभ कर सकें।

> *क्योंकि मलिकिसिदक शालेम का राजा, और परमप्रधान परमेश्वर का याजक, जब अब्राहम राजाओं को मार कर लौटा जाता था, तो इसी ने उस से भेंट करके उसे आशीष दी;*

इसी को अब्राहम ने सब वस्तुओं का दसवां अंश भी दिया, (वहां आपका दशमांश है); *यह पहिले अपने नाम के अर्थ के अनुसार, धर्म का राजा, और फिर शालेम अर्थात शांति का राजा है;*

जिस का न पिता, न माता, न वंशावली,... ना ही आरंभ... जिस के न दिनों का आरंभ है और न जीवन का अन्त है; परन्तु परमेश्वर के पुत्र के समान बना दिया; सर्वदा याजक बना रहता है;

16 क्या ही जबरदस्त कथन है! अब हमें पुराने नियम में वापस जाना होगा, ताकि इन महान आधारो को बाहर खोद कर निकाले। और, ओह, मैं उन्हें कितना पसंद करता हूँ!

17 आप जानते है, एरिज़ोना में, हम मूल्यवान वस्तु की खोज किया करते थे। और हम एक उपयुक्त दिखने वाले मैदान में उतरते थे, श्रीमान मैक एनाली और मैं। और हम एक ऐसी जगह देखते जहाँ ऐसा दिखता था, छोटी–छोटी खाइयों में, जहाँ एक छोटे–छोटे खड्डे होते, जिसे वे कहते "साफ़ करना।" और मैं... वो मुझे नीचे उतारता और मुझे रेत को रगड़ने लगाता और "फूंक मारकर," इसे उड़ाता। फिर रगड़ता और "फूंक मारता," इसे उड़ाता। और मैं सोचता कि उसने ऐसा क्यों किया। मालूम पड़ेगा, आप देखना, जब आप रेत को उड़ाते है, तो ये चमकेगा। और सब कुछ, यहां तक कि सीसा भी, सोने से हल्का होता है। सोना सीसे से भारी होता है। सो जब आप उड़ाते हैं, तो बाकी के सभी धातु और रेत और गंदगी उड़ जाएगी, लेकिन सोना जमीन पर ही रहेगा। इसलिए, यदि आप *यहाँ* से ऊपर कुछ धोते हैं, तो यह दिखाता है कि वहाँ कहीं तो ऊपर सोने की एक धारी है। इस बारिश ने इन छोटे टुकड़ों को धो दिया है। तो फिर हम फावडे और इत्यादि को लेते है, और पहाड़ी को लगभग खोद गालते हैं, इस सोने को खोजने की कोशिश करते है। जमीन में छेद करते है, उन्हें खोद डालते। डायनामाइट बम को लगाते है, इसे उडा देते है। मुख्य शिरा को खोजने के लिए, जब तक हमें मिल न जाए, तब तक नीचे की ओर औजार को मारते रहें। अब, इसे हम कहते हैं "पूर्वानुमान करने वाले।"

18 और आज रात हम परमेश्वर के वचन को लेने की कोशिश कर रहे हैं, और पवित्र आत्मा की सामर्थ के द्वारा उसका उपयोग कर रहे हैं, ताकि सारी उदासीनता और संदेहों को हमसे दूर करे, वे सारी छोटी–छोटी हल्की

फुल्की बातें जिनका कोई आधार नहीं है, हमारे जीवन में कोई महत्व नहीं है, हम इसे पूरी तरह से उड़ा देना चाहते हैं ताकि हम इस महिमामय नस को ढूंढ सकें। वह नस मसीह है।

19 और अब होने पाए परमेश्वर हमारी सहायता करे जब हम उसके वचन को पढ़ते और अध्यन करते हैं। अंतिम, पिछले तीन अध्याय, लगभग, हम सुनने के ऊपर बात करते आ रहे हैं, अभी और उसके बाद, मलिकिसिदक।

20 अब, मैं सोचता हूँ कि पौलुस सही अनुवाद को देता है।

क्योंकि मलिकिसिदक शालेम का राजा, ...

"शालेम का राजा।" और कोई भी बाईबल विद्वान जानता है कि शालेम पहले... येरुशलम को पहले "शालेम" कहा जाता था। और वह येरूशलेम का राजा था। उसे देखना।

... परमप्रधान परमेश्वर का याजक, (वह एक बिचवाई है), *जो अब्राहम से मिला...*

मैं उसकी वंशावली को लेना चाहता है, इस महान व्यक्ति की, ताकि आप पहले जान सकें कि वह कौन है, इसके बाद आप... हम कहानी के साथ आगे बढ़ेंगे।

... जब अब्राहम राजाओं को मार कर लौटा जाता था, और उसे आशीष दी;

इसी को... अब्राहम ने दसवां अंश भी दिया... पहले... अपने नाम के अर्थ के अनुसार, धर्म का राजा, ...

अब देखो, "धार्मिकता।" अब, हमारे पास खुद की धार्मिकता है, हमारे पास दिखावटी धार्मिकता है हमारे पास सभी प्रकार की भ्रष्ट हुई धार्मिकता है। लेकिन एक सच्ची धार्मिकता है, और वह धार्मिकता परमेश्वर की ओर से आती है। और यह मनुष्य धर्म का राजा था। वह कौन हो सकता है?

21 अब, वह धार्मिकता का राजा था, येरूशलेम का राजा, धार्मिकता का राजा, शान्ति का राजा था। यीशु को "शांति का राजकुमार" बुलाया गया था। और राजकुमार राजा का पुत्र होता है। तो, यह मनुष्य शांति का राजा था, तो उसे शांति के राजकुमार का पिता होना है। इसे समझ लिया?

22 अब आइये देखते हैं, उसकी वंशावली को थोड़ा आगे लेंगे, यह देखने के लिए कि हम कहाँ जा रहे हैं।

जिस का न पिता,...

अब, यीशु का एक पिता था। क्या आप यह विश्वास करते हैं? निश्चय ही उसका था।

... न माता,...

यीशु की एक माँ थी। लेकिन इस व्यक्ति का न तो पिता था और न ही माता।

... न वंशावली है,...

उसके पास कभी भी ऐसा कोई नहीं था जिससे वह आया हो, किसी भी वंश से। वह हमेशा से ही था। "बिना वंशावली।"

... जिस के न दिनों का आदि है,...

उसके पास कभी भी कोई समय नहीं था कि उसने कभी शुरूवात की हो।

... न ही जीवन का अंत;...

यह परमेश्वर के सिवा और कुछ नहीं हो सकता था। वो यही हो सकता है।

23 अब, यदि आप अगले पद को पढ़ते हुए ध्यान देंगे। समझे? "यह पहले अर्थ के अनुसार, धर्म का राजा है।" यह वो स्थान नहीं है जहां मैं लेना चाहता हूं। वो—वो तीसरा पद:

... और न जीवन का अन्त है; परन्तु परमेश्वर के पुत्र के स्वरूप ठहरा;...

अब, वो परमेश्वर का पुत्र नहीं था, क्योंकि, यदि वह एक पुत्र था, तो उसकी शुरुआत थी। और इस मनुष्य की कोई शुरुआत नहीं थी। यदि वह एक पुत्र था, तो उसके पास पिता और माता दोनों होने थे। "और इस मनुष्य का न तो पिता था और न ही माता। लेकिन वो परमेश्वर के पुत्र *के समान* बनाया गया था।"

... सर्वदा याजक बना रहता है।

24 अब, डॉ. स्कोफिल्ड कहने की कोशिश करते हैं, कि, "यह एक याजकगण था, जिसे 'मलिकिसिदक याजकगण' कहा जाता था।"

लेकिन मैं आपको बस कुछ मिनटों के लिए उस पर ले जाना चाहता हूं। यदि यह याजकगण था, तब इसकी एक शुरुवात होनी थी, और इसका एक अंत होना था। परंतु, "इसका कोई आदि या अंत नहीं था।" और उसने यह नहीं कहा कि वह एक याजकगण से मिला। वह एक मनुष्य से मिला, और उसका नाम "मलिकिसिदक" कहकर बुलाया गया। वह एक व्यक्ति था, ना ही एक संप्रदाय, ना ही एक—एक—एक याजकगण या पितृत्व। वह पूरी तरह से मलिकिसिदक के नाम से एक मनुष्य था, जो येरूशलेम का राजा था। ना ही याजकगण, लेकिन जो पिता के बिना एक राजा था। याजकगण के पिता नहीं होते। "और यह मनुष्य बिना पिता के, बिना माता के था, ना ही दिनों की शुरुआत या जीवन का अंत।" अब, परमेश्वर का पुत्र...

25 कौन था यह, यह यहोवा था। यह स्वयं सर्वशक्तिमान परमेश्वर था। यह कोई और नहीं हो सकता।

26 अब ध्यान दें, "वह सदा बना रहता है।" उसकी यहाँ एक गवाही है, कि, "वह जीवित रहता है। वह कभी नहीं मरता।" उसने कभी नहीं... वह कभी भी और कुछ नहीं था लेकिन जीवित था। "वह सदा बना रहता है।"

27 अब, यीशु को बनाया गया, उसकी समानता में। अब, कारण यह है कि परमेश्वर और यीशु में अंतर है: यीशु की शुरुआत थी; परमेश्वर की कोई शुरुआत नहीं थी। मलिकिसिदक की कोई शुरुआत नहीं थी, और यीशु की शुरुआत थी। लेकिन यीशु को उसकी समानता में बनाया गया। "एक याजक, हमेशा के लिए बना रहता है।"

28 अब, जब मलिकिसिदक धरती पर था, वह संसार में कुछ भी नहीं था लेकिन उस—उस यहोवा परमेश्वर ने सृष्टि के द्वारा प्रगट किया, वह यहां दैविक शरीर के समान था। अब्राहम उससे एक बार उसके तम्बू में मिला। और जैसा कि हमने आज सुबह कहा, "अब्राहम ने उसे पहचान लिया। और उसने अब्राहम को बताया कि वह क्या करने जा रहा था, क्योंकि वह संसार के वारिस को अन्धा न छोड़ेगा उन चीजो के प्रति जो वह करने जा रहा था।"

29 मैं यहां एक मिनट के लिए रुक सकता हूं, ये कहने के लिए, परमेश्वर के पास अब भी उसकी कलीसिया के बारे में वही राय है। आप अंधकार की संतान नहीं हो। आप उजियाले की संतान हो। और यह... हम जो...

"धन्य हैं वे, जो नम्र हैं, क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।" और क्या परमेश्वर, जिसने अब्राहम के लिए—के लिए कार्य किया, जिसे धरती का वारिस होना था... और उसने कहा, "मैं इन बातों को उस मनुष्य से छिपाए नहीं रखूंगा जो पृथ्वी का वारिस होने जा रहा है।" तो वह अपने उन रहस्यों को और कितना अधिक उसकी कलीसिया के लिए प्रकट करेगा जो धरती के वारिस होने जा रहे है!

30 दानिय्येल ने कहा, "उस दिन वे इधर–उधर दोडेंगे, ज्ञान बढ़ जाएगा।" और उसने कहा, "बुद्धिमान उस दिन अपने परमेश्वर को जान लेंगे, और उस दिन बड़े–बड़े कामो को करेंगे। लेकिन दुष्ट स्वर्ग के परमेश्वर को नहीं जान पाएंगे।" वे उसे एक आकार में जानते है और एक औपचारिकता में जानते हैं, जैसा कि हमारे पहले विषय में बताया था, लेकिन वे उसे सिद्धता के मार्ग के द्वारा नहीं जानते।

31 और परमेश्वर केवल सिद्धता के जरिये से ही कार्य कर सकता है, क्योंकि वह सिद्ध है। उसका नाम धन्य हो! यह एक सिद्ध माध्यम होना चाहिए जिसके जरिये से परमेश्वर कार्य करता है, क्योंकि वह सिद्धता के जरिये से कार्य करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकता है। वह अपने आप को किसी भी तरह से दागदार नहीं कर सकता। और तब इसीलिए यीशु हमारे पापों को दूर करने के लिए आया, कि हम सिद्ध हो सके, जिससे कि परमेश्वर अपने कलीसिया के जरिये से कार्य कर सके। वहां है ये जहाँ रहस्य रखा है।

वहाँ है जहाँ दुनिया अंधी है। वहाँ वे कहना चाहते हैं कि, "आप अपना दिमाग गंवा चुके हैं।" वहाँ है जहाँ वे कहना चाहते हैं, "आप नहीं जानते कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं।"

क्योंकि, "प्रभु की बातें इस संसार की बुद्धि के लिये मुर्खता हैं। लेकिन दुनिया की चीजें विश्वासी के लिए सांसारिक है।" सो, आप एक अलग व्यक्ति हैं, आप एक अलग क्षेत्र में जी रहे हैं। आप अब इस दुनिया के नहीं रहे। आप इस जीवन से एक नए जीवन के अंदर जा चुके हैं।

32 इसलिए, परमेश्वर प्रकट करता है, ना ही संसार को, ना ही मनोवैज्ञानिक को, ना ही शिक्षित सेवको को, लेकिन जो हृदय में नम्र लोग है। उसके लोग जो दीन हैं, वह उन पर परमेश्वर की महान बातों के रहस्यो को प्रगट करेगा। आपने इसे समझा?

33 अब, अब, अब्राहम को संसार का उत्तराधिकारी होना था। माध्यम से... अब्राहम का वंश सभी राष्ट्रों को आशीषित करने वाला था। तब परमेश्वर नीचे उतर आया और उस से मनुष्य के रूप में बातें कीं।

अब, परमेश्वर हमेशा ही धरती पर रहा हैं। परमेश्वर ने धरती को कभी भी नहीं छोड़ा है। यदि वह कभी धरती को छोड़ देता, तो मैं नहीं जानता कि इसका क्या होता। लेकिन परमेश्वर हमेशा किसी न किसी रूप में यहां रहा हैं। ओह, उसके नाम की स्तुति हो!

34 वह उसकी संतान के साथ जंगल में था, वे मिस्र से बाहर निकल रहे थे, एक उजियाले के रूप में। उसने अब्राहम से एक मनुष्य के रूप में बात की। उसने मूसा से मनुष्य के रूप में बात की। उसने कलीसिया से एक मनुष्य के रूप में बात की, उसका पुत्र, यीशु मसीह।

और वह आज अपने कलीसिया के जरिये से बोल रहा है, जीवित परमेश्वर की अभिषिक्त कलीसिया के जरिये से, मिट्टी के बर्तनों के जरिये से बोल रहा है। "तुम डालीयां हो। मैं दाखलता हूँ।" परमेश्वर अब भी बोल रहा है, और संसार यीशु को तब देखता है जब आप उसे प्रस्तुत करते या पेश करते हैं। ऐसे ही संसार देखता है... "आप लिखित पत्रियां हैं, जिसे सभी मनुष्य के द्वारा पढ़ा जाता हैं।" आपका जीवन बताता है कि आप क्या हैं।

35 अब, यह अब्राहम अपने मार्ग पर था, वापस लौट रहा था। हम वापस जाकर और उसके बारे में कुछ ही क्षणों में, उत्पत्ति की किताब में पढ़ेंगे। उत्पत्ति के 14वें अध्याय में, मेरा विश्वास है कि यही है। ओह, यहाँ कितनी सुंदर कहानी है! अब, हम सब अब्राहम के बारे में जानते हैं, कि परमेश्वर ने उसे कसदियों के देश और ऊर नगर से किस तरह से बाहर बुलाया, और उसे अपने संगी–साथियों से अलग होने के लिए कहा।

परमेश्वर पुरुषों या महिलाओं को बुलाता हैं, वो अलगाव को करता हैं।

36 अब, आज कलीसियाओं के साथ यही समस्या है, वे खुद को पुराने शारीरिक लोगो से अलग नहीं करना चाहते–... अविश्वासी से। इसी कारण हम और आगे नहीं जा सकते। हम बस उस एक शारीरिक बहाव में आ जाते हैं, और हम—हम कहते हैं, "ओह, जिम एक अच्छा लड़का है, यदि वह शराब पीता है। यदि वह... और मैं उसके साथ जुआ घर में जाता हूं, लेकिन

मैं जुआ नहीं खेलता। मैं—मैं—मैं उसके साथ पार्टी में जाता हूं। वे गंदे चुटकुले सुनाते हैं, इत्यादि, लेकिन मैं कोई चुटकुला नहीं बताता।"

37 "उनमें से बाहर आओ।" यह सही बात है। "अपने आप को अलग करो। उनकी अशुद्ध वस्तुओं को मत छुओ, तो मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा," प्रभु यों कहता हैं। "अविश्वासियों के साथ आसमान जुए में न जुतो, अनुचित ढंग से साथ जुए को न जुतो।" आप ऐसा ना करे। अपने आप को अलग करे।

38 और परमेश्वर ने अब्राहम को बुलाया कि वह अपने आप को उसके सारे निकट कुटुम्बीयों से अलग करे, और उसके साथ चले। भाई, कभी–कभी इसका मतलब कलीसिया को छोड़ना होता है। पौलुस का इसका यह मतलब था। उसे अपनी कलीसिया छोड़नी थी। इसका मतलब बहुतों से था। कभी–कभी इसका मतलब घर छोड़ना होता है। कभी–कभी इसका अर्थ होता है माता–पिता को छोड़ देना और सबको त्याग देना। मेरे कहने का मतलब यह नहीं है कि ऐसा हर बार होता है, लेकिन कभी–कभी ऐसा होता है। इसका मतलब है कि आपको अपने और परमेश्वर के बीच सब कुछ करना होता है, और अकेले उसके साथ चलना है। ओह, वह धन्य, मधुर वार्तालाप, वह संगति जो आपके पास तब होती है जब आप स्वयं को अलग करते हैं संसार की वस्तुओं से और शारीरिक विश्वासियों से जो आपका मज़ाक उड़ाते हैं, और आप मसीह के साथ अकेले चलते है!

39 कितनी बार मैंने परमेश्वर को धन्यवाद दिया है! उसने कहा, "मैं तुम्हें इस वर्तमान संसार में माता–पिता को दूंगा। मैं तुम्हे मित्र और सहयोगी दूंगा। और मैं तुम्हें कभी नहीं छोडूंगा, न ही मैं तुम्हें त्यागूंगा। हालाँकि सारा संसार आप से मुंह मोड़ लेता है, लेकिन मैं तुम्हारे साथ रास्ते के अंत तक जाऊंगा।"

40 क्या ही धन्य सौभाग्य है, कि उस मनुष्य के पास चुनौती है, प्रभु यीशु के पीछे–पीछे चलने के लिए, उसके सारे शारीरिक संबंधियों से खुद को अलग होने के लिए, ताकि प्रभु के पीछे–पीछे चले! और यदि कोई व्यक्ति ऐसा दिखाई देता है कि अपने आप में सही व्यवहार नहीं कर रहा है, और अपने आप को मसीही के रूप में बताता है, लेकिन शारीरिक चीजों से प्रेम करता है, ये आपके लिए सबसे अच्छा है कि आप तुरंत किसी अन्य साथी की तलाश करें। यह सही है। और यदि कोई आपके साथ नहीं चलेगा, तो

एक है, जिसने आपके साथ चलने का वादा किया है। वो है, धन्य प्रभु यीशु, वो आपके साथ चलेगा।

41 परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, "अपने आप को अलग करो।" और मनुष्य के नाई, जैसे अब्राहम था, वो अपने पिता को भी साथ ले गया, वह उसके भाई के पुत्र को, अर्थात भतीजे को साथ लेकर गया; सब उसके साथ लटक रहे थे। और परमेश्वर ने उसे तब तक आशीष नहीं दी जब तक कि उसने वो नहीं किया जो परमेश्वर ने उसे करने के लिए कहा था।

42 मैं यह नहीं कहता कि आप एक मसीही नहीं हैं। तो, मैं किसी को मसीहत से नहीं हटा रहा हूं। लेकिन मैं यह कहूंगा, कि यदि परमेश्वर ने आपको कुछ करने के लिए कहा है, तो वह आपको तब तक आशीष नहीं देगा जब तक आप उसे नहीं करते। मैं उन चीजों में से एक के साथ आज रात पुलपिट में हूं जो मेरे ऊपर है। पिछले दो वर्षो से मेरी सभाये वैसी नहीं रही जैसी होनी चाहिए थीं। ऐसा इसलिए है क्योंकि मैंने प्रभु को हताश किया है। उसने मुझसे कहा, "अफ्रीका में जाओ, और उसके बाद भारत जाओ।" यहाँ है ये, इस किताब के पिछले भाग में, ठीक अभी लिखा हुआ है।

43 प्रबंधक ने मुझे बुलाया, कहा, "उन अफ्रीकी लोगो को जाने दो। भारत तैयार है।"

44 पवित्र आत्मा ने मुझसे भेंट की, कहा, "तुम अफ्रीका जाओगे जैसे मैंने तुम्हे बताया था।"

45 और एक और वर्ष बीत गया। और प्रबंधकों ने... मैं इसके बारे मे भूल गया। उसने कहा, "हम भारत जा रहे हैं। टिकट पहले से ही यहाँ है।"

46 मैं वहां से निकल गया, इसे भूल गया था जब तक मैं लिस्बन नहीं पहुंच गया। एक रात, मैंने सोचा कि मैं मर रहा हूँ। अगली सुबह मैंने निकलने लगा, स्नान गृह में नहाने के लिए चला गया। ओह, मैं बहुत बीमार था, मैं मुश्किल से खड़ा हो पा रहा था। वहाँ, स्नान गृह में वहाँ प्रकाश मंडरा रहा था, कहा, "मैंने सोचा कि मैंने तुमसे कहा था, 'पहले अफ्रीका जाना।'"

47 उस समय से लेकर मेरी सभाये धीरे–धीरे कमजोर पड़ने लगी थी। हालाँकि मैं भारत गया था, वहाँ लगभग पाँच लाख लोग खड़े हुए थे, लेकिन यह वह नहीं कर रहा था जो परमेश्वर ने कहा था। मैं महसूस कर रहा हूँ कि मेरी सभाये तब तक सफल नहीं होंगी जब तक कि मैं सीधे वापस जाकर और उस चीज़ को सही नहीं कर लेता। कोई फर्क नहीं पड़ता कि

मैं क्या करता हूं, यह अफ्रीका है, क्योंकि पहले आपको इसे करना है। वहाँ परमेश्वर का अनंत वचन रखा हुआ है। मैं इससे बेहतर जानता था। लेकिन मुझे वापस जाना होगा। और मैं यह महसूस करता हूं कि यह आने वाला वर्ष वो समय है जब मैं प्रभु की सहायता से ढांचे से धीरे–धीरे बाहर निकलूंगा।

48 यह महिमामय, पुराना सुसमाचार जो एक बलुत के पेड़ की तरह आसानी से ऊपर आ रहा है, लेकिन मैं विश्वास करता हूँ कि वह अब अपनी शाखाओ को फैलाने के लिए तैयार है। मैं इसे विश्वास करता हूँ, यह महान संदेश और महान बात, मैं विश्वास करता हूँ कि प्रभु हमें परमेश्वर की महिमा के लिए फिर से संसार को हिलाने देगा।

49 आपको वही करना है जो परमेश्वर ने आपको करने के लिए कहा है। और अब्राहम सीधे आगे चला गया, अपने लोगों को अपने साथ लिया। उसने उन्हें प्रेम किया। यही मनुष्य का भाग है। लेकिन कुछ समय बाद, धीरे–धीरे, उसके पिता की मृत्यु हो गई और उसने उसे दफनाया। उसके बाद उसका भतीजा था, फिर लड़ाई–झगड़े और वाद–विवाद छिड़ गए। और, अंत में, लूत ने अपने चुनाव को किया और सदोम में चला गया। और आप अब्राहम पर ध्यान दें, उसने लूत के साथ वाद–विवाद नहीं किया। उसने कहा, "हम आपस में भाई हैं। हमें बहस नहीं करनी चाहिए। लेकिन तुम अपने सिर को ऊपर उठाकर और तुम किसी भी तरफ जाना चाहते हो चले जाओ। यदि तुम पूरब जाओगे, तो मैं पश्चिम जाऊंगा। तुम उत्तर जाओगे, तो मैं दक्षिण जाऊंगा।" यही मसीही रवैया है, जो दूसरे व्यक्ति को सबसे अच्छा लेन–देन देने की इच्छा को रखता हो। हमेशा उसके सामने रखे, उसे उसका चुनाव करने दें।

50 ऐसा क्यों? किस बात ने अब्राहम को ऐसा करने को लगाया? वह जानता था कि उसे परमेश्वर के द्वारा प्रतिज्ञा की गयी थी कि कुछ भी हो वो सम्पूर्ण चीज का वारिस होगा। आमीन। तो, फिर, एक तम्बू हो या झोपडा हो, हम भला क्यों परवाह करे? सारी चीजे हमारी है। "धन्य हैं वे जो नम्र हैं, क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।" यह सब हमारा है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है। तो मनुष्य को सबसे अच्छा चुनाव करने दो, यदि वो चाहता है। हो सकता है यही सब उसे कभी मिले जाएगा। लेकिन यह सब आपका है, आप प्रतिज्ञा के द्वारा उद्धार के वारिस है। ये सब आपका है।

51 तो, सारा, देश की सबसे सुंदर स्त्री, वह अपने पति के साथ पहाड़ी पर वहीं बैठी थी, जैसे उसे करना चाहिए था। उसने सादे, तो, हो सकता है कि उसने सादे सूती के कपड़े पहने हों, या आप जो भी इसे कहना चाहते हैं। जबकि, श्रीमती लूत ने करोड़पतियों की तरह कपड़े पहने हुए थे। और उसका पति नगर का मेयर था। वह एक न्यायी था जो फाटक में बैठा था। उसके पास हर एक चीज थी; सदोम और अमोरा में वहां सारी चलती हुई स्त्रीयों की व्यर्थ गपशप की मंडलियों में और ताश के पत्तो की पार्टियों में भाग लेती थी। लेकिन सारा अपने पति के साथ गरीबी अवस्था में रहने से ज्यादा प्रसन्न थी, और जानती थी कि वह परमेश्वर की इच्छा में थी, जो कुछ समय के लिए धन के आनंद को लेने से बढ़कर है, या धन–सम्पत्ति की खुशी का आनंद लेने से बढ़कर है। यह सही बात है। यही है जब परमेश्वर भेंट करता हैं।

52 और एक दिन, आप, जैसे ही निश्चित होकर आप गलत रास्ते को लेते हैं, यह किसी दिन इसके साथ आपको पकड़ लेगा। हो सकता है आप सोचे कि आप बिल्कुल ठीक हो जाएंगे। आप सोच सकते हैं कि आप बचकर निकल रहे हैं, लेकिन आप नहीं निकल रहे है। ऐसा दिखाई दे सकता है कि यह पूरी तरह सब ढका हुआ है, लेकिन यह ढका नहीं है। परमेश्वर सब कुछ जानता है। वह जानता है कि आपका वास्तव में मतलब अपने अंगीकार से है या नहीं। वह जानता है कि क्या आपका वास्तव में मतलब है कि आप उस पर विश्वास करते हैं और बचाए गए हैं, और उसे स्वीकार किया है, और आप संसार की चीजो के लिये मरे हुए हो, और मसीह में जीवित है। वह यह जानता है।

53 अब, हम अब्राहम की ओर ध्यान दे, मैं चाहता हूं कि आप इस सच्ची आत्मा को देखें। ओह, सारी धन्य चीज यहाँ पर अनुग्रह है। मैं चाहता हूं कि आप अब मेरे साथ बस कुछ क्षण के लिए निर्गमन के 14वें अध्याय को पढ़े।

54 अब, पहली चीज ने जो जगह ली, जब वे वहाँ गए, तो लूत संकट में था। क्यों? वो परमेश्वर की इच्छा से बाहर था। और यदि आप संकट में पड़ते है, जब आप परमेश्वर की इच्छा में होते हैं, तो परमेश्वर आपकी सहायता करेगा। लेकिन यदि आप संकट में होते हैं, परमेश्वर की इच्छा से बाहर होते है, वहां आपको केवल एक ही काम करना है, फिर से परमेश्वर की इच्छा में वापस आ जाये।

55 अब, सारे राजा एक साथ इकट्ठे हुआ, और अनुमान लगाया कि नीचे के मैदानों में पानी उमड़ रहा है, और वे वहां नीचे जाकर उस छोटे पुराने सदोम, अमोरा को हाथ में ले लेंगे, और उस पर कब्ज़ा कर लेंगे। और उन्होंने किया। और जब वे वहां नीचे गए उसे अपने अधिकार में कर लिया, तो वे लूत को अपने साथ ले गए।

56 मैं चाहता हूं कि आप यहां अब्राहम में मसीह की आत्मा को देखें। अब 14वें पद पर ध्यान दें।

> *और जब अब्राहम ने सुना कि उसका भाई...* (इसे समझा?) ... *ये सुना कि उसका भाई बन्धुआई में गया है, उसने उसके प्रशिक्षित दासो को, जो उसके तीन सौ अठारह कुटुम्ब में उत्पन्न हुए थे, अस्त्र शस्त्र धारण करके दान तक उनका पीछा किया।*

57 ओह, अनुग्रह का क्या ही धन्य विचार है! अब्राहम, जब उसका भाई, हालांकि अनुग्रह से गिर गया था, हालांकि इस पिछडी हुई स्थिति में था, जब उसने सुना कि संसार ने उसे बंधुवा बना लिया है, और उसे पकड़कर ले गये है, उसे घात करने के लिए, अब्राहम ने मसीह की आत्मा के द्वारा कार्य किया। वो आया और उसके अस्त्र शस्त्र धारण किये हुए कुटुम्ब में उत्पन्न हुए जो लोग थे, और उन्हें उनके पीछे लगाया और दान नगर तक उनका पीछा किया। और दान फिलिस्तीन का छोर है, "दान से बेर्शेबा तक," एक छोर से दूसरे छोर तक। और यह एक मसीह नमूना है, जब उसने देखा कि संसार... गिर गया था, तो उसने शत्रु का अंत तक पीछा किया, ताकि आदम की गिरी हुई जाति को वापस पा ले।

58 मैं चाहता हूँ कि आप अगले पद पर ध्यान दें, कि यहाँ आत्मा उसके जरिये से कितना मधुर बातें करता है। तो ठीक है, अब 15वा पद।

> *और उसने सारे* (सारे) *धन को, और अपने भतीजे लूत को भी फिर से लौटा ले आया, और उसके धन को, और स्त्रियों को, और सब बन्धुओं को, लौटा ले आया।*

59 जब अब्राहम ने उस शत्रु का पीछा किया जो उसके भाई को लेकर गये थे, वह पूरे देश में दान तक उसका पीछा करता रहा, और वह सब कुछ वापस लौटा ले आया जो उसने गिरने पर खोया था।

60 क्या ही मसीह का सुंदर चित्र है, जिसने स्वर्ग से सुना कि हम खो गए थे और आकर और शत्रु का पीछा किया, और अधोलोक तक चला, गया

और खोये हुए प्राणों को साथ में ले लिया और हमें वापस लौटा ले आया, और हर एक चीज जो हमारे पास गिरने से पहले थी, वह हमें लौटा दी! हम, जो पीछे हटे हुए थे, हम जो परमेश्वर के पुत्र होने के लिए जन्मे थे, जो शैतान के पुत्रों में बिगड़ा हुआ रूप हैं, और बने... और संसार की चीजो के पीछे चले गए, और गलत काम किये, और लालच से दौडने लगे जैसे लूत ने किया, हमारे जन्मसिद्ध अधिकार को बेचते हुए और संसार की चीजों के पीछे जा रहे थे। मसीह नीचे आया। हालांकि हम गिरे हुए थे; परमेश्वर, आदि में जानते हुए कि कौन बचाया जाएगा और कौन नहीं, इसलिए नीचे आकर और जीवन में से होते हुए, मृत्यु में से होते हुए, स्वर्गलोक में से होते हुए, अधोलोक में से होते हुए शत्रु का पीछा किया। और वहां महिमा में से होते हुए अधोलोक तक, और उस—उस अधोलोक की शक्तियों को, और चाबियों को शैतान से ले लिया, और फिर से जी उठा, और मनुष्य जाति के लिए लौटा दिया, जिससे कि वह फिर से परमेश्वर के पुत्र और कन्या हो सके।

61 क्या वहाँ अब्राहम में आत्मा को देखते है, मसीह की आत्मा उसके साथ आती हुई?

62 अब मैं चाहता हूं कि आप आगे थोड़ा और ध्यान दें, जैसा कि हम पढ़ते हैं।

> *जब वह कदोर्लाओमेर और उसके साथी राजाओं को जीत कर* लौट आता था *तब सदोम का राजा उससे भेंट करने के लिये आया, और... राजा... उसके साथ थे, शावे नाम तराई में, जो राजा की भी कहलाती है,*

63 वे चले गए। सदोम के राजा को वापस लाया गया। उनके भाई को वापस लाया गया। बच्चों को वापस लाया गया। और यहाँ राजा उससे भेंट करने के लिए निकले। और, यहाँ भी वह जगह है जहाँ मैं अब संदेश को लेना चाहता हूँ। यहां देखना।

> *और—और मेल्कीसेदेक, शालेम का राजा* (येरूशलेम का राजा, शान्ति का राजा) *रोटी और दाखमधु लाया। और वो परमप्रधान परमेश्वर का याजक था।*

और उसने उसे आशीष दी, और कहा, कि परमप्रधान परमेश्वर की ओर से, जो आकाश *और पृथ्वी का अधिकारी है,* अब्राहम *तू धन्य हो:*

64 सेलम के राजा मलिकिसिदक ने भी अन्य राजाओं के बीच स्वयं का प्रतिनिधित्व किया। और ध्यान दें, लड़ाई समाप्त हो गई थी, परमेश्वर का आत्मा अब्राहम में था, मसीह का, जो उसके गिरे हुए भाई को वापस ले आया था, तब उसे उसकी सही स्थिति में लौटा दिया, वह सब जो उसने खो दिया था। उसने इसे वापस लौटाया था। और जब वो लौटा लाया, तो उसने रोटी और दाखमधु का, प्रभु भोज लाया। क्या आप नहीं देख सकते कि वह मलिकिसिदक कौन था? यह परमेश्वर था। लड़ाई के बाद, प्रभु भोज को लेकर आया।

65 अब आओ हम फिर से मत्ती 26:26 की ओर जल्दी से वापस जायेंगे, और देखेंगे कि यीशु ने उसके बारे में यहाँ क्या कहा। मत्ती की किताब, 26वें अध्याय और 26वें पद में, हम बस यहाँ थोड़ा सा पढ़ना चाहते हैं। तो ठीक है, मत्ती 26:26।

तब यीशु अपने चेलों के साथ गुलगुता *नामक एक स्थान में आया,* गुलगुता (मेरा मतलब है,) *गतसमनी और अपने चेलों से कहने लगा कि यहीं बैठे रहना, जब तक कि मैं* वहां जाकर प्रार्थना करूं।

66 मैं सोचता हूँ कि मैंने गलत पद को लिया है। मत्ती, बीस–... 26वें अध्याय का 26वां पद। यदि किसी ने निकाला है, तो मेरे लिए पढना, यदि आप—आप इसे पा सकते हैं। एक मिनट रुकना। यह यहाँ एक सुंदर नमूना है। मैं नहीं चाहता कि आप इसे चूक जाए। यहाँ हम हैं। यह मिल गया, बहन।

और जब वे खा रहे थे तो यीशु ने रोटी ली, और इसे आशीष दी,...

यह क्या था? लड़ाई खत्म हो गई थी।

... उसे तोड़कर, और अपने *चेलों को दिया, और कहा, लो,* और *खाओ; यह मेरी देह है।*

67 उस मलिकिसिदक देखा? सैकड़ों वर्ष पहले, जब उसने अब्राहम से भेंट की, युद्ध समाप्त होने के बाद, उसने रोटी और दाखमधु दिया। और यहाँ यीशु चेलों को देता है, उसकी कठिन लड़ाई पूरी होने के बाद, उसने उन्हें रोटी और दाखरस दिया। देखो। आने वाले भविष्य को देखें।

और उस ने कटोरा लेकर, और—और धन्यवाद किया, और उन्हें देकर कहा, तुम सब इस में से पीओ।

क्योंकि यह नये नियम का मेरा वह लोहू है, जो बहुतों के लिये... पापों की क्षमा के निमित्त बहाया जाता है।

लेकिन मैं तुम से कहता हूं, कि दाख का यह रस उस दिन तक कभी न पीऊंगा, जब तक तुम्हारे साथ अपने पिता के राज्य में नये *सिरे से न पीऊं।*

68 हम अब लड़ाई में हैं। हम अपने गिरे हुए भाई के पीछे हैं, उस परमेश्वर ने, जगत की बुनियाद डालने से पहले, अनन्त जीवन के निमित पहले से ठहराये हुए को देखा। और संसार की चीजो ने उसे बवंडर में जकड़ लिया है। वह समाजों और वर्गों के अंदर है, वो और उसकी पत्नी, वे सड़कों पर ऊपर और नीचे चलते है, धूम्रपान करते है और शराब पीते है और दावत करते है, शांति को पाने की कोशिश करते है। और हम में मसीह की आत्मा है, जैसे कि अब्राहम में होगी, हम उसके पीछे–पीछे गए। परमेश्वर के सारे हथियारों के साथ, परमेश्वर के दूतों ने डेरा डाला, हम अपने गिरे हुए भाई को वापस लाने के लिए गए।

69 और जब युद्ध अन्त में ख़त्म हो जाता है, तब हम फिर से मलिकिसिदक से मिलेंगे, धन्य परमेश्वर, जिस ने वहां अब्राहम को आशीष दी, और उसे आशीष को दिया, और उसे रोटी और दाखमधु प्रभु भोज दिया। और जब युद्ध समाप्त हो जाएगा, हम उससे भेंट करेंगे। हम जो अब्राहम की प्रतिज्ञा के वारिस हैं, राज्य में मसीह के साथ संगी वारिस हैं, और मार्ग के अंत में उस से मिलेंगे, और जब लड़ाई हो पूरी हो जाती है, तब फिर से रोटी और दाखमधु को लेंगे।

70 यह मलिकिसिदक कौन है? "वो एक जिसका कोई पिता नहीं था, कोई माँ नहीं थी, ना ही उसके दिनों की शुरुआत थी या ना ही जीवन का अंत था।" वह वहाँ फिर से प्रभु भोज देने के लिए होगा। आपने इसे समझा?

71 जब हम रुककर, किसी रात पर, जब हम एक साथ आते हैं और सेवको के हाथों से प्रभु भोज को लेते हैं, यह दर्शाते है कि हम प्रभु यीशु की मृत्यु, गाड़े जाने और पुनरुत्थान में विश्वास करते हैं, कि वह पर्दा, उसका शरीर जिसमें वह परमेश्वर पर्दा हुआ था, हम इसे एक प्रतिनिधि के नाई लेते हैं, "हम संसार की चीजो के लिए मरे हुए हैं, और आत्मा से नया जन्म लिया है।" और हम सब विश्वासी मिलकर, मसीह की देह के साथ चलते हैं।

72 जब महान युद्ध समाप्त हो जाता है, और हम फिर से मसीह के साथ आएंगे, हम परमेश्वर के राज्य में नए सिरे से उसके साथ प्रभु भोज करेंगे; और परमेश्वर के राज्य में मांस को खाएंगे, और दाख के लहू को फिर से पीयेंगे। ओह! वहां मलिकिसिदक है। यही है जो वो था।

73 आइए अब हम यहाँ उसके बारे में थोडा और आगे पढ़े, और 18वा पद।

> *जब शालेम का राजा मलिकिसिदक, रोटी और दाखमधु ले आया:...* (आपने इसे पकड़ा?)... *जो परमप्रधान ईश्वर का याजक था।*
>
> *और उसने* अब्राहम *को यह आशीष दी, कि परमप्रधान ईश्वर की ओर से, जो* आकाश *और पृथ्वी का अधिकारी है, तू धन्य हो:*
>
> *और उसने उसे आशीष दी,... और उसने आशीष...*
>
> *और धन्य है परमप्रधान ईश्वर, जिसने तेरे द्रोहियों को तेरे वश में कर दिया है। तब अब्राहम ने उसको सब का* दशमांश *दिया।*

उसने मलिकिसिदक को दशमांश दिया। अब्राहम ने उसे सब वस्तुओ का दसवां हिस्सा दिया।

74 अब मैं चाहता हूँ कि आप यहाँ पर ध्यान दें जैसे पौलुस आगे बढ़ता है, अब आने वाले पाठ के लिए एक बुनियाद को देते हुए।

> *और जब सदोम के राजा ने* अब्राहम *से कहा, प्राणियों को तो मुझे दे, और धन को अपने पास रख।*

अब, सदोम के राजा ने कहा, "अब, तुम मुझे मेरे लोगो को वापस दे दो, और तुम धन–संपति को अपने साथ ले जाओ।"

और अब्राहम ने सदोम के राजा से कहा, मैं ने परमप्रधान परमेश्वर प्रभु की ओर मेरे हाथ को उठाया है,...

एल एलोन, "आकाश और धरती का प्रभु," वहां।

... परमप्रधान परमेश्वर यहोवा, जो आकाश और पृथ्वी का अधिकारी है,

जो कुछ तेरा है उस में से न तो मैं एक सूत, और न जूती का बन्धन,...

उसने पैसे को लेने के लिए कोई बड़े–बड़े अभियान नहीं किये थे। वह तो केवल अपने गिरे हुए भाई को चाहता था।

... तुझसे न कोई और वस्तु लूंगा; कि तू ऐसा न कहने पाए, कि अब्राहम *मेरे ही कारण धनी हुआ:*

पर जो कुछ इन जवानों ने खा लिया है और उनका भाग जो मेरे साथ गए थे,...

75 अब, मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें, अब्राहम ने कहा, "मैं एक जूती का बन्धन तक नहीं ले जाऊँगा।" उसने बहुत सा धन पाने के लिए युद्ध नहीं लड़ा। और असली सच्ची लड़ाई स्वार्थी उद्देश्यों से नहीं की जाती है। धन के लिए युद्ध नहीं लड़े जाते। युद्ध उद्देश्यों के लिए—के लिए सिद्धांतों के लिए लड़े जाते हैं। पुरुष सिद्धांतों के लिए युद्ध को लड़ते हैं। और जब अब्राहम लूत को लेने के लिए निकला, वह बाहर नहीं निकला क्योंकि वह जानता था कि वह राजाओं को बुरी तरह से पछाड़ सकता है और उनके सारे अधिकार को ले सकता है, वह "अपने भाई को बचाने" के सिद्धांत के लिए बाहर निकला।

76 और कोई भी सेवक जिसे स्वर्ग के राजा की प्रेरणा से भेजा गया है, वह धन के लिए नहीं जाएगा; ना ही वह बड़ी–बड़ी कलीसियाओ को बनाने के लिए जाएगा, न ही वह संप्रदायों को प्रेरित करने के लिए जाएगा। वो केवल एक सिद्धांत के लिए जाएगा, और वह है, "ताकि अपने गिरे हुए भाई को वापस लेकर आये।" चाहे उसे प्रेम दान में एक पैसा भी मिले या न मिले, इससे उसे कुछ भी फर्क नहीं पड़ेगा।

77 जैसे मै कहता हूँ, "सच्चे युद्ध सिद्धांतों के लिए लड़े गए है और छेड़े गए हैं और न कि पैसो के लिए।" और पुरुष और महिलाएं जो कलीसिया

से जुड़ते हैं और कलीसिया में आते हैं, लोकप्रिय होने के लिए, क्योंकि *जोन्सिस* वहां हैं, या वे अपनी कलीसिया को एक छोटी सी कलीसिया से एक बड़ी कलीसिया में बदल देते हैं, आप ऐसा एक स्वार्थी उद्देश्य के लिए कर रहे हैं और इसके पीछे सही सिद्धांत नहीं है। आपको युद्ध के मोर्चे पर खड़े होने के लिए इच्छा को रखना होगा।

78 यहाँ इस आराधनालय में, जब कुछ चीजे गलत होती है, और आप पुरुष और आप स्त्रियाँ दौड़कर कहीं और चले जाएँगे, या वे बाहर ही रहेंगे जब तक थोडा विवाद या उपद्रव खत्म नहीं हो जाता, आपके अनुभव में कुछ तो गड़बड़ है। सही है।

79 हमारे यहां एक नियम है। हमारे पास—हमारे पास यहां एक व्यवस्था है। यह कलीसिया बाईबल के सिद्धांतों पर आधारित है। यदि यहां पर कोई है जो सही नहीं कर रहा है, और आप सोचते है कि वे नहीं कर रहे हैं, तो आप उसके पास जाकर और उससे बात करें। यदि आप उसे सही नहीं कर सकते हैं, तब किसी एक या दो और भाई को अपने साथ ले जाये। यदि वो सही नहीं होता है, उसके बाद कलीसिया को बता दें। और कलीसिया उसे छोड़ देगी, और उसके साथ फिर कोई संगति नहीं रखेगा। और यीशु ने कहा, "तुम जो कुछ धरती पर खोलोगे, मैं स्वर्ग में खोलूंगा।"

80 यही कारण है कि आपके पास बहुत अधिक परेशानियां है, क्योंकि आप बाईबल के सिद्धांतों का पालन नहीं करते हैं। यदि कलीसिया में कोई गड़बड़ी पैदा कर रहा है, या कुछ तो गलत हो रहा है, यह आपका काम नहीं है कि आप उस पुरुष या उस महिला के विषय में बात करें। आपका यह काम है कि आप उस पुरुष या महिला के पास जाकर और उसे उसकी गलती को बताएं। और यदि वह आपकी नहीं सुनता है, तो किसी और को अपने साथ ले जाए। वो इसे नहीं सुनता उसके बाद कलीसिया उसे छोड़ देती है। यीशु ने कहा, "जो तुम धरती पर खोलते हो, मैं स्वर्ग में खोलूंगा। जो तुम धरती पर बाँधते है, मैं उसे स्वर्ग में बाँधुंगा।" यही कलीसिया की सामर्थ है।

81 ज्यादा समय नहीं हुआ यहाँ, मेरा एक अच्छा प्रचारक मित्र, उसका एक लड़का था, और वह लड़का कलीसिया जाया करता था, उसकी अपनी कलीसिया। वो एक ऐसे स्थान पर चला गया जहाँ वो एक छोटी सी लड़की के साथ इधर–उधर घुमने फिरने लगा, जो धूम्रपान करती थी और

शराब पीती थी और ऐसा जारी रहा। प्रचारक ने कहा, "बेशक, यह उसका व्यवसाय है।" मेरा एक बहुत गहरा मित्र और एक अच्छा लड़का। लेकिन वह पूरी तरह किसी महिला के प्रेम में अंधा हो गया; और उस महिला का विवाह हो चुका था, उसके कुछ बालक थे, उसका पति जीवित था। उसे डर था कि उनका जो होने वाला है... वह लड़का उससे विवाह कर लेगा। सो, वो भाई पूरी तरह टूट गया था। और उसने मुझसे कहा, "भाई ब्रन्हम, मैं चाहता हूं कि आप इस *फलां–फलां* लड़के के पास जाएं। मैं चाहता हूं कि आप उससे बात करें।"

82 मैंने कहा, "भाई... " मैंने प्राय: उसका नाम पुकारा। "आपके पास एक बेहतर तरीका है। मुझे मत भेजिए। यदि लड़का नहीं मान रहा है, और कलीसिया ने उसे गलत करते देख लिया है, तब यह कलीसिया का यह काम है कि इस काम को करे। यह कलीसिया के ऊपर छोड़ दो। और कलीसिया उसके पास जाकर और उसे बताये।"

83 सो उसने एक भाई को लिया और उसके पास जाकर और उस से कहा। और वह भाई के पास वापस आया, वो जान ले, कि वह अपने ही काम पर ध्यान दे, कि वह भी वैसा ही करे। वह एक और भाई को लेकर गया, दो और को, दो डिकनो ने जाकर और लड़के को बताया। वह इसे नहीं सुनता है। उन्होंने इसे कलीसिया को बताया। और वह बहुत रातों तक कभी नहीं आया, कलीसिया के सामने उसके पाप के बारे में बताए जाने के बाद, कलीसिया के सामने स्वीकार करने के लिए नहीं आया। उसके बाद, कलीसिया ने उसे छोड़ दिया।

84 और उसके लगभग एक महीने बाद वो निमोनिया से पीड़ित हो गया, और डॉक्टर ने कहा, "उसके लिए दुनिया में जीने का कोई मौका नहीं है।" उसके बाद वह घसीटते हुए वापस आया। परमेश्वर जानता है कि इसे कैसे करना है।

85 हम इसे अपने आप में करने की कोशिश करते हैं, "ओह, आपको *फलां–और–फलां* को कलीसिया से बाहर निकाल देना चाहिए। आपको *ऐसा, वैसा* या *इत्यादि* करना चाहिए।" क्या आपने एक कलीसिया के रूप में इसके प्रति अपनी भूमिका को निभाया है? आप वहां हो। उन्हें घसीट कर वापस लाने का यही तरीका है, उन्हें एक बार शैतान के हवाले कर दो।

86 वहां अपनी सौतेली माँ के साथ रह रहे इस मनुष्य के बारे में पौलुस ने क्या कहा? वे उसे नहीं मना सके। कहा, "उसे शैतान के हवाले कर दो।" देखो क्या होता है। और अगली पत्री में पौलुस ने लिखा, यह मनुष्य सीधा हो गया था। निश्चय ही। परमेश्वर के पास इन चीजो को करने का एक तरीका है, यदि हम उसके नियमों का पालन करेंगे तो।

87 यदि कलीसिया में कुछ गलत होता है, यदि यह सभा के लोगो के बीच में है, आप में से प्रत्येक भाई। यदि डेकन बोर्ड पर, आप में से एक डीकन बर्ताव नहीं करता है, तो दुसरे डीकन आकर और बैठक को करे, भाई को समझाने की कोशिश करे, उसे बताये कि वह क्या कर रहा है; या आप में से कोई एक सदस्य, चाहे आप जो कोई भी हों। फिर उसे उसके सामने लाया जाना है। यदि वह ऐसा नहीं करता है, तो आकर पास्टर को बताएं। फिर, उसे कलीसिया के द्वारा छोड़ दिया जाता है, और फिर उसे एक असभ्य व्यक्ति और शराबखाने का मालिक होने दो। उसके बाद प्रभु को उस पर काम करते हुए देखे। देखिए, तभी वह अपने आप से वापस आता है। यही है जब वह रेंगते हुए अंदर जाता है। लेकिन हम इसे स्वयं से करने की कोशिश करते हैं, आप जानते हैं, ऐसा करने कोशिश... अब सब कुछ जिस तरह से हमें ये करना चाहिए, हम कभी भी सफल नहीं होंगे।

88 अब, यह मलिकिसिदक, सलेम का राजा, राजकुमार, परमप्रधान का याजक, अब्राहम से भेंट की और उसे आशीष दी। और उसे अपना दशमांश दिया, अब्राहम ने दिया। और वह शालेम का राजा था। और उसने रोटी और दाखमधु को लाया, प्रभु भोज, और युद्ध के बाद अब्राहम को दिया, उन पुरुषों के जीतने के बाद।

89 अब, "सारे युद्ध," जैसे मैने कहा "सिद्धांतों के लिए लड़े जाते हैं।" अब, यदि आपकी कलीसिया में छोटी लड़ाई है, तो यह अवश्य ही सही सिद्धांत में होनी चाहिए। आपको सही चीज़ के लिए लड़ना होगा। और कलीसिया के हर एक सदस्य को ऐसा ही करना चाहिए। अब, यह शिक्षा कलीसिया के लिए है। यही है जिसके लिए हम यहां पर हैं। यही है जिसके लिए मैं यहां खड़ा हूं। यही है जिसके लिए परमेश्वर का वचन है, जो कलीसिया के लिए है।

90 इस कलीसिया में कभी भी कोई रूकावट न आने दें। यदि ऐसा होता है, तो आप दोषी हैं, आप में से हर एक जन। और आप, आपकी भिन्न–

भिन्न कलीसिया में, यदि आपकी कलीसिया में कुछ गलत हो रहा है, तो आप दोषी हैं, क्योंकि आप उस कलीसिया के प्रमुख हैं। यह पास्टर पर नहीं है। यह डीकन बोर्ड पर नहीं है। यह आप पर निर्भर है कि आप उस भाई के पास जाएं और देखें कि क्या आप उसे समझा सकते हैं। यदि नहीं, तब दो–तीन को साथ लेकर, फिर से वापस आये। वो इसे नहीं सुनेगा, तो इसे कलीसिया को बताये। तब उसे परमेश्वर के राज्य से निकाल दिया जाता है। परमेश्वर ने कहा, "यदि तुम उसे वहाँ अस्वीकार करते हैं, तो मैं उसे यहाँ अस्वीकार कर दूँगा, यदि तुम इस क्रम में से होते हुए गए हो।" उसके बाद वो शैतान को उसके लिए छोड़ देगा उसे बना... उसके देह को नष्ट करने के लिए। और तब वो वापस आ जाएगा। यह सही बात है। उसे वापस लाने का यही तरीका है। यदि वो परमेश्वर की संतान है, तो वह वापस आ जाएगा। यदि वो नहीं है, इसलिए—इसलिए, वह करता ही चला जायेगा, और तब शैतान उसे उसके सनातन स्थान पर भेज देगा।

91 अब, इसका जो मकसद है। यदि आप इसे बस किसी के प्रति लेते हैं, तो यह भिन्न बात है। लेकिन, यदि वो मनुष्य दोषी है! और लूत वहां नीचे चला गया और पीछे हट गया, हालांकि वो एक इब्रानी था। वह नीचे चला गया था और पीछे हट गया था। वह अनुग्रह में था, लेकिन वह इससे नीचे गिर गया था। और जब वह बाहर निकला... और लूत—लूत बच गया था। ऐसा कभी भी न सोचें कि लूत को बचाया नहीं गया था। वह बचाया गया था। क्योंकि, हर समय जब वह गलत स्थान पर था, बाईबल ने कहा, कि, "सदोम के पापों ने उसके धर्मी प्राण को प्रतिदिन बैचेन किया।" अब उसकी देह एक काम कर रही थी। और उसका अंत क्या था? उसने और भी अपमानजनक बात को लाया। उसकी पत्नी नमक के खम्भे में बदल गई। उसकी बेटियों से उसके बच्चे थे। तो, आप देख सकते हैं कि इसने कितनी अपमानजनक बात को लाया, क्योंकि वो अनुग्रह से नीचे गिर गया था और अपने आप को फिर कभी भी वापस नहीं लाया। और परमेश्वर को उसे धरती पर से उठाना पड़ा था।

92 लेकिन, फिर भी, वह एक गिरा हुआ भाई था, और अब्राहम ने वह सब कुछ किया जो वो उसे वापस लाने के लिए कर सकता था। और वो आत्मा जो अब्राहम में था, मसीह की आत्मा है जो आज कलीसिया में है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि भाई ने क्या किया है, आप उसे फिर से मसीह की

संगति में वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि उसने क्या किया है, आप बहुत कोशिश करेंगे।

93 अब, हम यहाँ फिर से ध्यान देना चाहते हैं, जब हम इस मलिकिसिदक के इस विषय के साथ आगे बढ़ते हैं, सलेम का यह महान याजक, और स्वर्ग और धरती का अधिकारी। अब, पहले उसे होना है:

> *जिस का न पिता, न माता, न वंशावली है, जिस के न दिनों का आदि है और न जीवन का अन्त है; परन्तु परमेश्वर के पुत्र के स्वरूप ठहरा; सर्वदा याजक बना रहता है।*

अब ध्यान दे। वो परमेश्वर का पुत्र नहीं था, वह पुत्र का परमेश्वर था। वो परमेश्वर का पुत्र नहीं था, मलिकिसिदक नहीं था, लेकिन वह परमेश्वर के पुत्र का पिता था।

94 अब, यह शरीर जो उसके पास था, उसने बनाया था। इसे एक स्त्री के जरिये से नहीं लाया गया था। तो उस सृष्टी किये गए शरीर के साथ, वह नहीं कर सका... कोई शरीर जो उसने स्वयं को प्रकट करने के लिए खुद बनाया था।

"कोई भी मनुष्य कभी भी परमेश्वर को नहीं देख सकता है। परमेश्वर एक आत्मा है।" मरणहार आंखें उन चीजों को नहीं देखती हैं, जब तब ये आग के स्तंभ के रूप में ना हो, या जो कुछ भी ये है, या किसी मौजूद रूप में जिसे उन्होंने दर्शन के द्वारा देखा है। लेकिन वो... परमेश्वर को स्वयं को किसी न किसी रूप में प्रकट करना होता है। और परमेश्वर ने स्वयं को एक मनुष्य के रूप में, अब्राहम के सामने प्रकट किया। उसने खुद को मूसा के सामने एक मनुष्य के रूप में प्रकट किया। उसने अपने आप को आग के स्तंभ के रूप में इस्राएल के बच्चों के सामने प्रकट किया। उसने खुद को एक पिंडुक के रूप में यूहन्ना के सामने प्रकट किया। आप देखो, उसने अपने आप को उन रूपों में प्रकट किया।

जब वो अपने आप को एक मनुष्य के रूप में प्रकट कर रहा था, सलेम के राजा के नाई; उस यरूशलेम का; ना ही धरती पर का यरूशलेम, लेकिन स्वर्गीय यरूशलेम का। उसने स्वयं को उस रूप में प्रकट किया। उसे परमेश्वर के पुत्र "के समान" बनाया गया था।

95 अब, परमेश्वर का पुत्र को एक स्त्री के जरिये से आना था, जिसकी यहां सृष्टी की जानी थी; एक स्त्री के गर्भ से, क्योंकि उसी चीज के जरिये से मृत्यु आती है।

96 और वह सृष्टि के जरिये से नहीं आ सकता जैसा कि आरंभ में परमेश्वर ने किया था। जब परमेश्वर ने आरंभ में पुरुष को बनाया, तो स्त्री का इससे कोई लेना–देना नहीं था। परमेश्वर ने बस कहा, "ऐसा होने दो," और एक मनुष्य मिट्टी में से आया। उसने उसे कहा, बिना किसी स्त्री के इसके साथ कोई लेना–देना नहीं था। लेकिन, स्त्री, वह उस वक्त पुरुष में थी।

97 और परमेश्वर ने स्त्री को आदम के फसली में से निकाला। क्या यह सही है? और उसके बाद स्त्री जाकर और मनुष्य को शरीर के संबंध के द्वारा लेकर आई। तो एक ही जरिया है जो परमेश्वर कर सकता है... वह उस दैविक शरीर में नहीं आ सकता। वह मलिकिसिदक के रूप में नहीं आ सकता। उसे एक मनुष्य के नाई आना था, और उसे स्त्री के जरिये से आना था। "तेरा बीज सर्प के सिर को कुचलेगा, और उसका सिर तेरी एड़ी को डसेगा।" इसे समझा? परमेश्वर को एक स्त्री के जरिये से आना था; और वो आया, जब उसने अपने पुत्र, मसीह यीशु के शरीर में वास किया। "परमेश्वर मसीह में था, अपने आप को संसार के साथ मिला रहा था।" और उसने अपने लहू को बलिदान के रूप में चढ़ाया। और अपने जीवन को दे दिया, कि मृत्यु के जरिये से, वह आपको अनन्त जीवन के लिए बचा सके।

98 सो तब परमेश्वर आया, और वह परमेश्वर के पुत्र "के समान" बनाया गया था। समझे? वह परमेश्वर के पुत्र के *समान* बनाया गया मनुष्य था। अब, वह परमेश्वर का पुत्र नहीं हो सकता, क्योंकि यह मनुष्य अनन्त है।

99 परमेश्वर के पुत्र का आदि था, उसका एक अंत था। उसका एक—एक जन्म का समय था, उसकी मृत्यु का एक समय था। उसकी शुरुआत भी थी और अंत भी था। उसके पिता और माता भी थे।

100 इस मनुष्य का न तो पिता था और न ही माता, ना ही समय की शुरुआत या अंत। लेकिन उसे बनाया गया था, यह मनुष्य, जो मलिकिसिदक था, परमेश्वर के पुत्र के *समान* बनाया गया था।

101 अब, परमेश्वर का पुत्र, जब वह संसार में आया था, एक स्त्री के रूप में, मतलब, एक स्त्री के जरिये से, एक पुरुष के रूप में, और मारा गया

था, तीसरे दिन फिर से जी उठा, हमारे धर्मीकरण के लिए, अब वो हमेशा के लिए बना रहता है। और जब तक वो शरीर बना रहता है, हम भी बने रहते हैं। और क्योंकि वह मिट्टी में से जी उठा है, हम उसकी समानता में जी उठेंगे। वहां वो सुसमाचार की कथा है। प्रभु का नाम धन्य हो। न ही वे दूत, न ही अलौकिक जीव, न ही पंखो का एक झुण्ड कि यहाँ वहां झुंड बनाते फिरे, लेकिन पुरुष और स्त्री, आमीन, उसकी समानता में खड़े होते है। जी हां, श्रीमान।

102 जैसा कि मैंने अक्सर यह बताया है, मैं इसे इस समय यहां फिर से कहता हूं। यह उपयुक्त दिखाई देता है। मैं कंघी कर रहा था, जो मेरे लगभग पाँच या छह बाल बचे हैं। और मेरी पत्नी ने कहा, "बिली, तुम गंजे होते जा रहे हो।"

103 मैंने कहा, "लेकिन मैंने उनमें से एक बाल को भी नहीं खोया है।"

104 उसने कहा, "वे कहां पर है? "

105 मैंने कहा, "मुझे बताओ कि वे बाल मुझे मिलने से पहले कहाँ पर थे, मैं तुम्हें बताता हूँ कि वे कहाँ पर मेरी प्रतीक्षा कर रहे हैं।" यह सही बात है।

106 मैं एक—एक लड़ने वाला, मुक्केबाज़ हुआ करता था। मैं मजबूत और विशाल था। और मुझे लगता, यदि आप इस कलीसिया को मेरी पीठ पर बैठाओगे, तो मैं इसके साथ रास्ते पर से चलूंगा। मैं आपको बताता हूँ, जब मैं अब हर सुबह को उठता हूँ, मुझे एहसास होता है कि चालीस वर्ष बीत चुके हैं। देखा? मैं वह नहीं हूं जो मैं हुआ करता था। मैं हर दिन कमजोर हो रहा हूँ। जब मैं अपने हाथों को देखता हूं और सोचता हूं, "यहाँ देखता हूँ। तो, मैं एक बूढ़ा मनुष्य होते जा रहा हूँ।" मैं अपने कंधों को देखता हूं। मैं देखता हूँ कि मेरा वजन काफी बढ़ गया है। मैं हमेशा एक बेल्ट को अट्ठाईस पर बांधता था। मैं अब तीस पर बांधता हूं। देखिए, मैं बूढ़ा हो रहा हूं, मोटा हो रहा हूं, सिकुड़ रहा हूं।

107 यह क्या है? मैं वही चीज को खाता हूं जो मैं खाया करता था। मैं पहले से साफ–सुथरा और बेहतर तरह से रहता हूं, वही चीज। लेकिन परमेश्वर ने मेरे लिए एक समय को निर्धारित किया है, और मुझे इसे अवश्य ही लेना चाहिए। लेकिन धन्य विचार यह है कि, उस दिन पर, वह मुझे फिर से जिलाएगा। और हर एक बात जो मेरी पच्चीस वर्ष की उम्र में थी, मैं हमेशा के लिए फिर से वैसा ही रहूंगा। आमीन। आप यहां हो। क्यों मुझे बुढ़ापा

चिंतित करता है? मैंने शैतान को उसमें से वर्षों और वर्षों तक हराया है, यह जानते हुए, कि मैं परमेश्वर पर विश्वास करता हूं। यह छोटी सी अवधि किसी भी तरह बस एक जरा सी, छोटी चीज है। यदि हम केवल साठ या और सत्तर वर्ष की उम्र के बने रहे, जो हमारा प्रतिज्ञा किया गया समय है, उस क्लेश और दु:ख के सिवा क्या—क्या है? यह क्या है? क्या आप उस ओर की उस महिमामय चीज़ के लिए इस नाशकारी घर की अदला–बदली करेंगे?

108 इसलिए, धन्य हो प्रभु का नाम! मेरे अंदर किसी ने तो एक दिन उस मेल्कीसेदेक से भेट की, और उसने मुझसे शांति की बात की और उसने मुझे अनन्त जीवन दिया। और इस जीवन का मतलब और कुछ नहीं लेकिन एक भवन है जिसके जरिये सुसमाचार का प्रचार किया जा सके। मैं इसे पूरी ईमानदारी के साथ कहता हूं, इन दो बाइबलों के साथ जो मेरे सामने खुली रखी हुई है। यदि मेरा परमेश्वर मेरे साथ होकर सुसमाचार का प्रचार कर रहा था, और मैं उसके लिये और अधिक कुछ नहीं कर पाया, मेरे बच्चे इतने बड़े हो गए थे कि अपना ख्याल रख सकते है, और वह मुझे ठीक अभी ले जाना चाहता है, "आमीन," इससे बात ख़त्म हो जाती है। जी हां, श्रीमान।

109 यदि मैं अस्सी वर्ष का हूं या यदि मैं बीस का हूं तो इससे क्या फर्क पड़ता है? मैं यहाँ केवल एक ही चीज़ के लिए हूँ: प्रभु की सेवा करने के लिए। बस ऐसा ही है। यदि मैं अब भी सुसमाचार का प्रचार कर सकता हूं जैसे मैं अभी करता हूं, जब मैं अस्सी वर्ष का होता हूं, इससे क्या फर्क पड़ता है मैं चालीस का होऊं या अस्सी का होऊं? आज रात अस्सी वर्ष के बहुत लोग है। और वहां बहुत सारे बच्चे मरेंगे, जब कि एक अस्सी वर्षीय व्यक्ति उनमें से कई बच्चों से अधिक जीयेगा। इससे क्या फर्क पड़ता है? यह आपके उद्देश्य हैं, आपके सिद्धांत हैं, और हम यहां प्रभु यीशु की सेवा करने के लिए हैं। बस ऐसा ही है।

110 यह जानते हुए, कि, "यह जीवन एक भाप है जिसके बारे में मनुष्य बोलता है; जो एक समय था, और फिर नहीं है।" लेकिन यदि हमारे पास अनन्त जीवन है, तो परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है कि वह हमें फिर से जिलाएगा। और जब दिन पुरे हो जाएंगे, तब हम उसके साथ प्रभु भोज लेंगे,

और जब वह कहेगा, "प्रभु के आनंद के अन्दर प्रवेश करो, जो दुनिया की नींव डालने से लेकर तुम्हारे लिए तैयार किया गया है।"

111 फिर यहाँ पर क्या फर्क पड़ता है, हमारे पास कुछ हो या हमारे पास ना हो? चाहे हम जवान हों या बूढ़े, इससे क्या फर्क पड़ता है? मुख्य बात तो ये है, क्या आप उससे मिलने के लिए तैयार हैं? क्या आप उससे प्रेम करते है? क्या आप उसकी सेवा कर सकते हैं? क्या आप संसार की चीजो के लिए बिक गये है? क्या आपने मलिकिसिदक से भेंट की हैं जब से युद्ध समाप्त हुआ है?

112 परमेश्वर धन्य हो! मैं लगभग इक्कीस वर्ष का था, और एक दिन मेरी *इससे, उससे,* और *इत्यादि* से लड़ाई हुई थी। मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या मैं एक लड़ाकू बनना चाहता हूं, या मैं एक जानवरों को जाल में फँसाने वाला बनना चाहता हूं या शिकारी बनना चाहता हूं, मैं क्या बनना चाहता हूं। लेकिन मैंने मलिकिसिदक से भेंट की, और उसने मुझे प्रभु भोज दिया, और तब से ये सदा के लिए स्थिर हो गया। हाल्लेलुय्या! मैं उनके पक्ष में चला गया हूं। मैं मार्ग पर आनंद मनाते आ रहा हूँ। और जब यह मार्ग के अंत के में आता है, और मृत्यु मेरे चेहरे की ओर घूरती है, जिस तरह से मैं अभी महसूस करता हूं, मैं उससे कभी नहीं डरूंगा। मैं चलूंगा, उसके सामने चलना चाहता हूं, यह जानते हुए कि मैं उसे जानता हूं जिसने प्रतिज्ञा को किया है, यह सही है, कि मैं उसे उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में जानता हूँ। जब वो मरे हुओं में से बुलाता है, तो मैं उनके बीच में से निकल आऊंगा। यह सही है, उसे उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में जानते हुए। इससे क्या फर्क पड़ता है कि मैं बूढ़ा हूं या मैं जवान हूं? मैं छोटा हूँ या मैं बड़ा हूँ? मेरा पेट भरा हुआ है या मैं भूखा हूं? मेरे पास रहने के लिए जगह है या नहीं?

113 "चिड़ियों के बसेरे होते हैं, और लोमड़ी की मांद, लेकिन मनुष्य के पुत्र के पास सिर रखने की जगह नहीं है," लेकिन वह महिमा का राजा था।

114 हम आज रात राजा और याजक हैं। इससे क्या फर्क पड़ता है कि हमारे पास हो या हमारे पास ना हो? जब तक हमारे पास परमेश्वर है, हम जयवंत से भी बढ़कर हैं। हम जयवंत से भी बढ़कर हैं। हम परमेश्वर की उपस्थिति में बैठे है, पवित्र आत्मा की संगति में है, उसके हाथ से आत्मिक प्रभु भोज को लेते हुए जो प्रमाणित हुआ है, "मैं वह था जो मर गया था,

और फिर से जीवित हूँ, और मैं हमेशा के लिए जीवित हूं।" मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में एक साथ बैठे हुए है। ओह, उसका पवित्र नाम धन्य हो! इससे क्या फर्क पड़ता है?

एक तंबू या एक झोपड़ी, मैं भला क्यों चिंता करूं?
वे वहाँ मेरे लिए महल को बना रहे हैं!
माणिक और हीरे का, और चांदी और सोने का,
उसके खजाने भरे हुए हैं, उसके पास बेशुमार दौलत है।

115 मैंने उससे एक दिन भेंट की थी जब मैं लड़ाई से आया था। मैंने अपने विजय चिन्ह को वहां रख दिया। तब से मैंने कोई लड़ाई नहीं लड़ी; वह मेरे लिए उनसे लड़ता है। मैं बस उसके प्रतिज्ञा पर बस विश्राम करता हूँ, यह जानते हुए, कि मैं उसे उसके पुनरुत्थान की सामर्थ में जानता हूँ। यही बात मायने रखती है। और क्या मायने रखता है?

116 हम क्या कर सकते है? क्यों विचार को ले क्या ये आपके कद में एक हाथ डील–डौल को जोड़ सकता है? आप क्या परवाह करते है कि आपके बाल घुंघराले हैं, या आपके बाल हैं या नहीं? इससे क्या फर्क पड़ता है? यदि आप बूढ़े हैं, यदि आपके बाल सफ़ेद हैं, यदि आपके कंधे झुके हुए हैं, यदि आपके नहीं झुके हैं, तो इससे क्या फर्क पड़ता है? आमीन। यह तो सिर्फ एक अवधि के लिए है, थोडे से समय के लिए, लेकिन यह तो हमेशा और हमेशा के लिए है। और जैसे–जैसे समय बीतता जा रहा है, जैसे–जैसे युग आगे बढ़ता है, आप कभी नहीं बदलेंगे, और उसके ना खत्म होने वाला अनंत युगों से जायेंगे। इससे क्या फर्क पड़ता है?

117 मैं बहुत खुश हूँ कि मैंने उससे भेंट की। मैं बहुत खुश हूँ कि उसने मुझे एक दिन प्रभु भोज दिया, वही मलिकिसिदक जिसने अब्राहम से भेंट की, जो राजाओं को ख़त्म करके आ रहा था। निश्चित रूप से। "स्वर्ग का परमेश्वर," *एल एलयोन*; वो महान "**मैं हूँ**," ना ही मैं था; **मैं हूँ**, वर्तमान काल। "और उसने उसे आशीष दी।"

118 यहाँ थोड़ा सा और आगे सुनना, ताकि हम विषय को एक साथ थोड़ा और नजदीक ला सकें। अब 4था पद।

अब इस पर ध्यान करो कि यह कैसा महान था,...

मैंने भी अभी यही सोचा। "अब इस पर ध्यान करो कि यह कैसा महान था।" वह परमेश्वर के पुत्र से परे है। परमेश्वर के पुत्र के पिता और माता थे; पर उसके नहीं। परमेश्वर के पुत्र के समय की शुरुआत और समय का अंत था; पर उसका नहीं था। यह कौन था? वह पुत्र का पिता था। यही है जो वो था।

> *... इस पर ध्यान करो कि यह कैसा महान था... यहाँ तक कुलपति अब्राहम ने अच्छे से अच्छे माल की लूट का दसवां अंश दिया।*

119 अब जरा ध्यान से सुनना।

> *और वास्तव में लेवी के पुत्रो में से जो याजकगण का पद पाते हैं, उन्हें... आज्ञा मिली है, कि लोगों, अर्थात अपने भाइयों से, व्यवस्था के अनुसार दसवां अंश लें, चाहे वे अब्राहम ही की देह से क्यों न जन्मे हों:*

120 अब इसे ध्यान दे यदि आप कुछ देखना चाहते हैं।

> *पर इसने, जो उन की वंशावली में* का भी *न था... अब्राहम से दसवां अंश* लिया, *और जिसे* प्रतिज्ञा *मिली थी उसे आशीष दी।*

121 अब्राहम के पास प्रतिज्ञा थी, और इस मनुष्य ने अब्राहम को आशीष दी जिसके पास प्रतिज्ञा थी। यह कौन था? लेवी के पुत्रों ने अपने भाइयों को दशमांश दिया मतलब... उनके भाइयों ने उन्हें दशमांश दिया। उनके पास प्रभु की आज्ञा थी, कि जो कुछ उनके भाइयों ने बनाया है उसका दसवां अंश उनके जीवन यापन के लिये ले, क्योंकि वे याजकगण थे। अब, यह मलिकिसिदक याजकपद को जाहिर करता है, जैसा कि आप ठीक वहां इस पर बात कर रहे हैं। यह सही बात है। लेकिन यह मनुष्य... यहाँ तक कि जिसने प्रतिज्ञा की थी, धरती पर का सबसे महान व्यक्ति, अब्राहम, इस मनुष्य से मिला और उसे दशमांश दिया। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] उसे सबसे महान होना था।

122 सुनना।

> *और उस में संदेह नहीं, कि छोटा बड़े से आशीष पाता है।*

निश्चित रूप से। देखो वह कौन है।

> *और यहां तो मरनहार मनुष्य दसवां अंश लेते हैं;...*

यही है याजको और प्रचारकों और इत्यादि के क्रम का याजकगण। मनुष्य जो दशमांश लेते हैं, वे मरनहार हैं। समझे?

... पर यहां वही लेता है, जिस की गवाही दी जाती है, कि वह जीवित है।

123 एक मनुष्य दशमांश किसके लिए लेगा, यदि उसके पास कोई... यदि वो ना ही कभी जन्मा था, और ना ही कभी मरेगा, और शुरू से अंत तक था, और—और ना ही कभी कोई पिता या माता या वंश था, और सारा आकाश और धरती और उस में जो कुछ है उसका स्वामी है, तो वह दशमांश क्यों लेगा? वह अब्राहम से दशमांश देने के लिए क्यों कहेगा? आप देखते हैं कि दशमांश देना कितनी सख्त बात है? दशमांश सही है। हर एक मसीही कर्तव्यबद्ध है कि दशमांश को दे। यह सही बात है। इसे कभी भी नहीं बदला गया है।

124 अब:

तो हम यह भी कह सकते हैं, कि लेवी ने भी, जो दसवां अंश लेता है, *अब्राहम के द्वारा दसवां अंश दिया।*

125 अब, ओह, यहाँ कुछ तो है।

क्योंकि जिस समय मलिकिसिदक ने उसके पिता से भेंट की, उस समय यह अपने पिता की देह में था।

126 क्या? लेवी? अब्राहम लेवी का पर–पर–दादा था। और बाईबल ने यहाँ कहा, कि, "लेवी ने दशमांश दिया जब वह अब्राहम की देह में था।" धरती पर उसके आने से चार पीढ़ी पहले, वह मलिकिसिदक को दशमांश दे रहा था। प्रभु का नाम धन्य हो!

127 फिर, आप जो पहले से ठहराये जाने में, या पूर्वनियुक्ति में विश्वास नहीं कर सकते है; और यहां, चार पीढ़ी पहले, इससे पहले लेवी अब्राहम की देह से बाहर आये, मलिकिसिदक को दशमांश दे रहा था। काश हमारे पास इसे वचन में होकर बताने का समय होता।

128 यदि आप इसे यिर्मयाह 1:4 में से लेना चाहें, परमेश्वर ने कहा, "मैं तुम्हें तुम्हारी माँ के गर्भ में आकार लेने से भी पहले जानता था। और मैंने तुझे पवित्र किया, और तुझे राष्ट्रों का भविष्यद्वक्ता ठहराया।" फिर आप क्या कह सकते हैं कि आपने किया? मैं क्या कह सकता हूं कि मैंने किया?

यह तो परमेश्वर है जो दया को दिखाता है। परमेश्वर हमें जगत की नीव डालने से पहले जानता था।

129 वह नहीं चाहता था कि कोई भी नाश हो। बिल्कुल भी नहीं। लेकिन यदि वह परमेश्वर है, तो वह जानता था कि कौन बचाया जायेगा और कौन नहीं बचाया जाएगा, या तो वह कुछ भी नहीं जानता। यदि वो नहीं जानता... यदि वह नहीं जानता था कि जगत के रचने से पहले, कौन रेपचर में जायेगा, तो वो परमेश्वर नहीं है। यदि वह अनंत है, तो वह... वह हर एक पिस्सू, हर एक मक्खी, हर एक जूँ को जानता है, हर एक जंतु, जो कभी भी धरती पर होगा, धरती के आकार लेने से भी पहले वो जानता है। यह सही बात है। वह सब कुछ जानता है। जगत की नीव डालने से पहले, वह हमें जानता था। बाईबल ने कहा, कि, "वह हमें जानता था और हमें पहले से ठहराया था।"

130 आइये इसे बस एक बार समझ लेते हैं। आइए हम इफिसियों के 1ले अध्याय पर वापस जाएं। 5वां अध्या–... इफिसियों का 1ला अध्याय, बस कुछ समय के लिए। मैं यहाँ से बस एक मिनट पढ़ना चाहता हूँ, जिससे कि आप वास्तव में समझ सकें कि यह केवल कुछ ऐसा नहीं है जो मैं आपको बताने की कोशिश कर रहा हूं। यह कुछ तो ऐसा है जिसे परमेश्वर आपको बताने की कोशिश कर रहा है। समझे? अब इसे सुनिए, बहुत ही नजदीक से, इफिसियों का 1ला अध्याय।

> *पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित है,...*

वही मनुष्य जिसने इब्रानी पत्री को लिखा है, इस पत्री को लिख रहा है।

> *... संतों को...*

यह अविश्वासियों के लिए नहीं है, लेकिन संतों के लिए है, पवित्र–... जो संत लोग है।

> *... जो इफिसुस में हैं, और जो मसीह यीशु में विश्वासयोग्य हैं:*
>
> *हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।*

हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, कि उस ने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आशीष दी है...

"जैसा उस ने... " अब, 4थे पद को ध्यान से सुनिए।

जैसा उस ने हमें जगत की उत्पति से पहिले उस में चुन लिया, ...

वहां ये "हमें" कौन है? वो कलीसिया।

... उसने *हमें उसमें* (मसीह में) पृथ्वी की *बुनियाद डालने से पहले चुन लिया, जिससे कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों।*

और हमें अपने लिये पहिले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों, उसकी अपनी *इच्छा की सुमति के अनुसार,*

131 ये किसने किया? परमेश्वर ने किया। परमेश्वर आदि से जानता था कि किसे बचाया जाएगा और किसे नहीं बचाया जाएगा। निश्चय ही, उसकी इच्छा नहीं थी कि किसी का भी नाश हो। लेकिन उसने यीशु को यहाँ केवल यह देखने के लिए नहीं भेजा कि क्या आप—आप ऐसा व्यवहार करेंगे, "खैर, बेचारा यीशु, मुझे उसके लिए दु:ख है। हो सकता है कि मेरे लिए बेहतर है मैं बचूं और इसे स्वीकार करूं।" नहीं महाशय।

132 परमेश्वर आदि से जानता था कि कौन बचेगा और कौन नहीं। सो, इसलिए, वह जानता था कि कुछ लोग बचेंगे, इसलिए उसने यीशु को उन लोगों के लिए भेजा जिससे कि उन्हें प्रायश्चित करने को लगाये जिन्हें वो पहले से जानता था। "फिर जिन्हें उस ने पहिले से ठहराया, उन्हें बुलाया भी, और जिन्हें बुलाया। और जिन्हें उस ने बुलाया है, उन्हें धर्मी ठहराया है। और जिन्हें उसने धर्मी ठहराया है, उसने (भूतकाल) महिमावंत भी किया है।" आप यहां हो।

133 तो यह आप नहीं हैं जो खुद को बचाते हैं, यह परमेश्वर का अनुग्रह है जो आपको बचाता है। आपने अपने आप को नहीं बचाया, या ऐसा कुछ भी नहीं किया जो आपने बचाए जाने के योग्य किया हो। यह तो परमेश्वर का अनुग्रह है जिसने आपको बचाया। परमेश्वर के अनुग्रह ने आपको बुलाया।

परमेश्वर का पूर्वज्ञान आपको जानता था। वह जानता था कि आप इस रात को इस कलीसिया में होंगे, इससे पहले दुनिया की नींव को कभी डाला गया था, यदि वह अनंत है। यदि वह नहीं है, तो वह परमेश्वर नहीं है। यदि वो सब कुछ जानता था, तो वह परमेश्वर था। यदि वह सब कुछ नहीं जानता था, तो वह परमेश्वर नहीं था। यदि वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर है, तो वह सब कुछ कर सकता है। यदि वह सब कुछ नहीं कर सकता, तो वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर नहीं है। वहां आप है।

134 सो आप कैसे कह सकते हैं कि यह कुछ ऐसा है जो आप कर सकते हैं? ये ऐसा कुछ नहीं है जो आप कर सकते हैं। यह तो आप के प्रति परमेश्वर का प्रेम और अनुग्रह है, कि आप यहां तक पहुंचे हैं। आप कुछ भी नहीं कर सकते थे, परमेश्वर ने आपको उसके अनुग्रह के द्वारा बुलाया; आपने ध्यान दिया, सुना, स्वीकार किया।

135 "ठीक है," आप कहते है, "भाई ब्रन्हम, यह इसे बहुत ही ढीला बनाता है।" निश्चय ही करता है। आप आज़ाद है। "खैर, वह व्यक्ति जो चाहे कर सकता है।" बिल्कुल। मैं हमेशा वही करता हूं जो मैं करना चाहता हूं। लेकिन यदि आप एक मसीही हैं, तो आप गलत नहीं करना चाहेंगे।

136 वहाँ एक छोटी लड़की आज रात वहां पीछे बैठी हुई है, मेरी पत्नी। मैं उसे पूरी तरह से प्रेम करता हूं जो मुझमें है। और यदि मैं जानकर, कि मैं किसी दूसरी स्त्री के साथ यहाँ–वहां घूमता फिरता हूँ और इसके साथ रहता हूँ, और जाकर उस को बताता हूँ, और कहता हूँ, "मेडा, मैंने गलत किया है," क्या आपको लगता है कि मैं यह करूँगा? यदि मैं उससे सही में प्रेम करता हूं, तो मैं ऐसा नहीं करूंगा। यह सही बात है।

137 अब, यदि मैं कहूँ, "ओह, मैं ऐसा नहीं कर सकता। क्योंकि, मैं आपको बताऊंगा क्यों। वो मुझे तलाक दे देगी, और मैं... ओह, मैं एक प्रचारक हूँ। देखो कि इससे क्या होगा? यदि वह मुझे तलाक दे देती है तो इससे मैं पुलपिट से बाहर हो जाऊंगा। 'एक तलाकशुदा पुरुष, ओह!' मेरे तीन बच्चे है; मैं इसके बारे में नहीं सोच सकता। लेकिन, भाई, मैं... "? तो, यदि ऐसा है, तो आप अभी भी नियमवादी हैं। यह नियमवाद आधार नहीं है कि मैंने उससे विवाह किया। यह नियमवाद आधार नहीं है जो मुझे पत्नी के प्रति सच्चा बनाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं उससे प्रेम करता हूं। मुझे कुछ भी नहीं करना है। मैं इसे खुद की इच्छा से करता हूं क्योंकि यह एक

प्रेम संबंध है। और यदि आप अपनी पत्नी से प्रेम करते हो, तो आप उसी काम को करोगे।

138 और यदि आप अपनी पत्नी से इस तरह प्रेम करते है, *फिलियो* प्रेम के साथ, तो *अगापाओ* प्रेम के साथ मसीह के साथ आपको क्या करना चाहिए? जो कि लाखो गुना शक्तिशाली है यदि आप वास्तव में परमेश्वर से प्रेम करते हैं? यदि मैं जानता हूँ कि आज रात को बाहर जाकर और शराब पी सकता हूं, यदि मैं जानता हूँ कि आज रात मैं इधर–उधर भाग सकता हूं और अनैतिक हो सकता हूं, यदि मैं जानता हूँ, आज रात; यदि ऐसा करने की बात मेरे ह्रदय में है भी, और मैं ने जाकर इसे कर लिया यह जानते हुए, कि वह मुझे क्षमा करेगा, मैं इसे नहीं करूँगा। मैं उसके बारे में बहुत अधिक सोचता हूं। मैं उससे प्रेम करता हूं। निश्चय ही। निश्चित रूप से।

139 यही वो कारण है कि मैं अपने अनुभव को किसी भी संप्रदाय को नहीं बेचूंगा, (नहीं, महाशय), ना ही असेम्बलीस ऑफ गॉड को, ना चर्च ऑफ गॉड, ना पिलग्रिम होलीनेस, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, कैथोलिक। मैं इस अनुभव के लिए मेरे सामने रखे गए किसी के भी प्रस्ताव को नहीं लूंगा। क्योंकि, यह मनुष्य के द्वारा कभी नहीं आता है। यह परमेश्वर के द्वारा आता है। नहीं, महाशय। मैं किसी एल्विस प्रेस्ली के रॉक–एंड–रोल, या कैथोलिकों के उनके बेडियो के लिए अपने जन्मसिद्ध अधिकार को नहीं बेचूंगा, या उसका, या, कैडिलैक, या उसके लाखो डॉलर, और इत्यादि, जो उसे हर महीने मिलता है। नहीं महाशय। मैं उससे प्रेम करता हूं। और यदि मैं... जब तक मैं उससे इस तरह से प्रेम करता हूँ, मैं उसके प्रति सच्चा बना रहूँगा। और यदि परमेश्वर ने मुझे बुलाया है और मुझे चुना है, तो उसने मुझ में कुछ तो रखा है, और मैं उससे प्रेम करता हूं।

140 मुझे मिस्टर इस्लर याद है। आप सभी उसे जानते हैं, आप में से अधिकांश लोग जानते है। वह ठीक यहां आये है, जो इंडियाना के राज्य सीनेटर से है; यहाँ आकर, उसके गिटार को बजाते। जब मेरा बच्ची मर गयी थी, मेरी पत्नी मर गयी थी, और वे सब यहाँ कब्रिस्तान में पड़े हुए थे। और मैं सड़क पर जा रहा था, मेरे हाथ मेरे पीछे थे, मैं रो रहा था। वह अपने छोटे, पुराने ट्रक से कूद पड़ा, और उसने मेरे चारों ओर अपने हाथ को रखा, कहा, "बिली, मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूं।" कहा, "मैंने सुना है आप तब तक प्रचार करते है जब तक आप लगभग पुलपीट में गिर

नहीं पड़ते। सुना है आप सड़क के कोनों पर और हर कहीं पर, मसीह के लिए पुकार उठते हो।" कहा, "अब उसने आपके पिता को ले लिया। उसने आपके भाई को ले लिया। उन दोनों को छीन लिया, और वे आपकी बाहों में मर गए। वहाँ उसकी मृत्यु हो गई। आपका हाथ पकड़ते हुए, आपकी पत्नी की मृत्यु हो गई। और आपकी बच्ची की मृत्यु हों गयी, और आप उसके लिए पुकार रहे थे कि वो आपकी सहायता करे। और उसने आप से मुंह फेर लिया। आप उसके बारे में क्या सोचते हो? "

141 मैंने कहा, "जो कुछ मेरे अंदर है मैं उससे प्रेम करता हूं। यदि वह मुझे नर्क में भेजता है, तो भी मैं उससे प्रेम करूंगा।" वो न्यायी है। मैं इसे नहीं कहता; छब्बीस वर्षो ने इसे साबित किया है। यह सही बात है।

142 यदि आप उससे प्रेम करते हो! ना ही कर्तव्य से, कि, "मैं *यह* नहीं कर सकता, और मैं *वो* नहीं कर सकता।" इसे करने के लिए आप उससे बहुत प्रेम करते हैं, क्योंकि उसने आपको चुना है। आपने उसे कभी नहीं चुना, उसने आपको चुना।

143 आपने कहा, "मैंने प्रभु को ढूंढा, और प्रभु को ढूंढा।"

कोई मनुष्य परमेश्वर को नहीं ढूंढता। यह तो परमेश्वर है, जो मनुष्य को ढूंढता है। हो सकता है कि आप उसकी कृपा के लिए देख रहे होंगे, लेकिन इससे पहले कि आप उसकी लालसा कर सकें, परमेश्वर को आपके स्वभाव को बदलना है, क्योंकि, आप एक पापी हो, आप एक सुअर हो। यह सही बात है।

144 और आप में से कुछ लोग कलीसिया जाते हैं और बस अपनी सदस्यता से जी रहे हैं, यहाँ बाहर जाकर और दुनिया में हर एक चीज करते है, और उसके बाद फिर भी वापस जाकर और कहते है, "जी हाँ, मैं कलीसिया से संबंध रखता हूँ।" खैर, यही परमेश्वर से संबंध रखने का एक लंबा रास्ता है। निश्चित रूप से। मैं नहीं... लेकिन आप देखते हैं लोग ऐसा करते है, आप बता सकते हैं। ओह, वे कलीसिया के अच्छे सदस्य हैं। यह सच है। आप अब भी एक कलीसिया के सदस्य हो सकते हैं और उन चीजों को कर सकते हैं, लेकिन आप एक मसीही नहीं हो सकते हैं और उन्हें करते है।

145 जैसा कि मैंने कहा, आज सुबह, "वो पुराना कौआ, यदि कभी कोई ढोंगी रहा था, तो वह कौआ है।" यह सही बात है। कौवा और पिंडुक एक

ही जहाज पर बैठे है, और एक ही बसेरे पर बैठे हैं। और पुराना कौवा तृप्त हो गया जब उसे छोड़ा गया था, और उस कलीसिया से बाहर निकला, कि वह वहां से निकलकर एक पुरानी मरी लोथ पर बैठ सकता है और "काव, काव," और *इस* एक में से खाता है, घोड़े का मांस खाता है, और गाय को खाता है, और जो कुछ भी ये है वह संतुष्ट होता है। लेकिन जब नूह ने पिंडुक को बाहर छोड़ा, तो वो अपने पैरों को रखने के लिए विश्राम नहीं पा सका। उसे बस एक मरे हुए जानवर पर बैठने का उतना ही अधिकार था जितना कि कौवे को, लेकिन ये दो भिन्न–भिन्न प्रकृति है। उनमें से एक, आरंभ से ही वो एक पिंडुक था। वह आरंभ से ही एक कौवा था।

146 लेकिन, यदि आप ध्यान दें, तो पुराना कौवा यहां एक मरे हुए लोथ पर बैठ सकता है और आधा दिन खा सकता है। पिंडुक गेहूँ के खेत में बैठ कर और आधा दिन खाएगा। और कौवा ठीक वहां पर उड़ कर जा सकता है और जितना चाहे उतना वो पिंडुक के भोजन को खा सकता है। वह उतना ही गेहूँ खा सकता है जितना कौआ खा सकता है, मतलब, जितना पिंडुक खा सकता है। लेकिन वह, कौआ, पिंडुक का खाना खा सकता है, लेकिन पिंडुक कौवे का खाना नहीं खा सकता। यह सही बात है।

147 सो, पुराना ढोंगी कलीसिया में आ सकता है, और आनन्दित हो सकता है और चिल्ला सकता है और प्रभु की स्तुति कर सकता है, और इसी तरह से कर सकता है, और सीधे वापस जाकर और संसार की चीजों का आनंद लेता है। लेकिन एक फिर से जन्म पाया हुआ मसीही ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि परमेश्वर का प्रेम उसे ऐसी जगह पर विवश करता है वह इसे नहीं कर सकता।

148 इसलिए यदि आप कलीसिया में जुड़ने वाले ऐसे ही एक मसीही है, और *ये* और *वो* करना छोड़ते है, और आपके अंदर वही इच्छा है, आपको दूसरी डुबकी की आवश्यकता है। यह बिल्कुल सही है।

149 और आप स्त्रियाँ जो उनके साथ छोटे–छोटे कपडे पहन सकती हो, और यहाँ बाहर सड़क पर होती हो, और फिर अपने आप को एक "विश्वासी" कहकर बुलाती हो। आप एक विश्वासी हैं, लेकिन हो सकता है कि तुम एक ख़राब उदाहरण हो। यदि आपके हृदय में सचमुच मसीह होता था, तो आप इस तरह की बातों के बारे में नहीं सोचते। मैं परवाह नहीं करता बाकी की महिलाएं क्या करती हैं, और बाकी की लड़कियां

क्या करती हैं, आप भिन्न हो, क्योंकि आप मसीह से बहुत अधिक प्रेम करते हो।

150 मैंने एक दिन एक घर में एक स्त्री से बात की, और उसने अपने हाथ को *इस* तरह से ऊपर उठाया, कहा, "आदरणीय ब्रन्हम, मैं लगभग नग्न हूँ, यहाँ मेरे घर में। मैं यहाँ वहां घूमती हूँ।"

151 मैंने सोचा, "तुम पर शर्म आती हे।" तुम्हारे अपने घर में, मैं परवाह नहीं करता कि तुम कहाँ पर हो। सही बात है। एक महिला की तरह वस्त्र पहनो और व्यवहार करो, जैसे एक महिला को करना चाहिए। तुम पर शर्म आती है। लेकिन तुम करते ही... जी हाँ, बाईबल ने कहा, "यदि तुम उन चीजो से, संसार की चीजो से प्रेम रखते हो, तो मसीह का प्रेम तुम में है ही नहीं।" और यदि आप प्रभु से प्रेम करते हो, बस अपने पुरे ह्रदय से, और अपने पुरे प्राण से, अपने पूरे मन से, आप उन्हें छोटी–छोटी पुरानी गंदी, घिनौनी बातों को दूर रखेंगे। यह सही बात है।

152 और आप जो डिकन है, और यहाँ आप जो दुसरे है, जो यहां सड़क पर घूमते फिरते हैं, और आपके गले की ओर बुरी नजर से देखते हुए और हर एक महिला की ओर देखते है। तुम पर शर्म आती है; और अपने आप को "परमेश्वर के पुत्र," कहकर बुलाते हो। मैं जानता हूँ कि यह घायल कर रहा है, लेकिन बजाये इसके आप वहां हमेशा के लिए जलाए जाये, यहाँ घायल हो। तो यदि आप उन चीजों को करते हैं... अब, यदि कोई महिला आधे कपड़े पहनकर सड़क पर चलती है, तो आप इसमें सहायता नहीं कर सकते। आप, यदि आप देख रहे हैं, तो आप उसे देखने के लिए बाध्य हैं, लेकिन आप अपने सिर को घुमा सकते हैं। बाईबल ने कहा, "जो कोई भी स्त्री की ओर कामुकता की नजर से देखता है, वो अपने ह्रदय में पहले से उसके साथ व्यभिचार कर चुका है।"

153 मैं आपको कुछ बताता हूँ, प्रिय बहन, आपको उत्तर देना होगा। मैं परवाह नहीं करता, आप लिली फुल की तरह शुद्ध हो सकती हैं। आपने अपने जीवन में असल में उस प्रकार का अनैतिक पाप कभी भी नहीं किया होगा। लेकिन यदि आप इस तरह के कपड़े पहनती हैं, तो आपको न्याय पर व्यभिचार करने का उत्तर देना होगा हर एक उस मनुष्य के साथ जिसने आपकी ओर देखा। बाईबल ने कहा। और सड़क पर चलती है,

कौन दोषी है, वो पुरुष? नहीं महोदया। आप है। आपने खुद को इस तरह से प्रस्तुत किया।

154 स्त्री को बड़ा स्थान मिला है। यह एक पवित्र, अच्छा, अद्भुत स्थान है। लेकिन उसे अवश्य ही अपने आप को उस तरह से रखना है, अपने कार्य स्थान को थामें हुए जैसे उसे चाहिए, एक माँ के रूप में, एक स्त्री के रूप में और नारीत्व के रूप में। जब नारीत्व टूट जाता है तो किसी भी राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। और यही कारण है कि आज हमारा राष्ट्र तबाह हुआ है, हमारी महिलाओं की अनैतिकता के कारण। यह बिल्कुल सही है। निश्चय ही। यह हमारे बीच सडावट है, जो इसे तोड़ रही है।

155 आपको आवश्यकता है कि इस मलिकिसिदक से एक बार भेंट करे। आमीन। उसे—उसे आपको आशीष देने दो और आपको दाखरस, रोटी, अनन्त जीवन देने दो। तब आप चीजों को को अलग से देखेंगे। तब आप... यह भिन्न होगा। आप नहीं चाहेंगे कि लड़के... अमेरिकी भेडिये आप पर सीटी बजाये, भेड़िया सीटी बजाये, या जो भी आप इसे बुलाना चाहते हैं। बिलकूल नहीं। आप अलग होंगे।

156 और आपको मुझे बताने का मतलब यह हैं कि आप ऐसे ही कपड़े पहनते हैं, और किसी और उद्देश्य के लिए वहां पर जाते हैं? आप कहते है, "क्योंकि, यह कूलर या ठंडक है।" आप कहानी को बना रहे हैं। यह कूलर या ठंडक नहीं पहुंचाते है। विज्ञान साबित करता है कि यह कूलर नहीं है। यह एक... यह कामुकता है जो आप पर आई है, बहन। आपको इसका आभास नहीं है। मैं आपको चोट पहुंचाने की कोशिश नहीं कर रहा हूं, लेकिन मैं आपको चेतावनी देने की कोशिश कर रहा हूं। बहुत सी नैतिक महिला, जितनी साफ–सुथरी हो सकती है वो है, एक सभ्य छोटी महिला, उन बातों के साथ सड़क पर बाहर चलती है, यह जानने के लिए वो बेसुध है कि वो क्या कर रही है, क्योंकि कुछ पीछे हटे हुए प्रचारक को डर लगता है कि आपका पति कलीसिया में अपना दशमांश अब और नहीं देगा। यदि उसने कभी मलिकिसिदक से भेट की होती, तो वह उन चीजो के बारे में नहीं सोचता। वो सुसमाचार को प्रचार करेगा। यदि ये उनकी पीठ की खाल को घायल भी कर देता है, कुछ भी हो वो इसका प्रचार करेंगा। यह बिल्कुल सही है।

157 आप ऐसा करते हैं, और आप इसे करते हैं क्योंकि कामुकता की भावना ऊपर है। और आप पुरुष जो अपनी पत्नियों को इस तरह के काम करने देते है, मुझे आपसे एक पुरुष के रूप में बहुत कम आशाये हैं। यह सही बात है। यह सही बात है। अब, उस पर कोई प्रशंसा नहीं है, क्योंकि, मतलब, कोई क्षमा नहीं, क्योंकि, यही सच है। कोई भी पुरुष जो अपनी पत्नी को सड़क पर जाने देता है और ऐसा व्यवहार करने देगा, भाई, आपको तो *स्त्री* के कपड़े पहनने चाहिए। यह सही बात है। आपको, क्योंकि, ओह!

158 मैं यह नहीं कहता कि मेरी पत्नी ऐसा नहीं करेगी। लेकिन मुझे उसे बदलना और फेर बदल करना होगा, मैं अब जो भी हूँ, यदि मैं कभी उसके साथ रह रहा हूँ जब वो ऐसा कर रही है। और यह बिल्कुल सही है।

मेरी लड़कियां, हो सकता है वे तब ऐसा करे जब वे महिलाएँ बन जाएँगी। मैं नहीं कहता कि वे नहीं करेंगी। मैं नहीं जानता। यह परमेश्वर की दया पर निर्भर है। मैं आशा करता हूं कि वे नहीं करती हैं। यदि वे ऐसा करती हैं, तो वे एक धर्मी पिता की प्रार्थनाओं पर चलेंगी। वे किसी ऐसे व्यक्ति के जीवन पर चलेंगे जिसने सही तरीके से जीने की कोशिश की, यदि वे कभी ऐसा करती हैं। यह सही बात है। लेकिन मैं सही जीना चाहता हूं, सही सिखाना चाहता हूं, सही होना चाहता हूं और उन्हें सही निर्देश दे सकता हूं। यदि वे ऐसा करती हैं, तो नरक की ओर अपने रस्ते को बनायेगी, मेरे प्रचार के ऊपर जाकर, और मेरे मसीह के शीर्ष पर, और मेरी चेतावनियों के शीर्ष पर, यह सही है, यदि वे कभी ऐसा करती हैं। निश्चित रूप से। यह सही बात है।

159 तुम पर शर्म आती है। यदि आप कभी मसीह से आमने सामने मिलते हैं, और वह आपको आशीष देता है, और उस स्वीकृति के चुम्बन को आपके ह्रदय में रखता है, नरक में के सारे शैतान आपको फिर से कभी भी उन्हें पहनने को नहीं लगायेंगे। यह सही बात है। आप मृत्यु से जीवन में बदल गए हैं, और आपका प्रेम ऊपर की चीजों पर होता हैं, न कि धरती पर की चीजों पर। आमीन। बेहतर होगा कि मैं उस विषय को छोड़ दूं। यह नाजुक है। तो ठीक है। लेकिन यह सच्चाई है।

160 तो ठीक है, जैसा कि हम अब थोड़ा सा और आगे बढ़ते हैं, उसके बाद हम बंद कर देंगे।

... वास्तव में जो लेवी की संतान में से है,... जो याजकगण के पद के दशवांश *को पाते हैं,* और *उन्हें आज्ञा मिली है, कि लोगों, अर्थात अपने भाइयों से चाहे, व्यवस्था के अनुसार* दसवां *अंश लें, वे भले ही अब्राहम ही की देह से क्यों न* आये *हों।*

पर इस ने, जो उन की वंशावली में का भी न था अब्राहम से दसवां अंश लिया, और जिसे प्रतिज्ञा *मिली थी उसे आशीष दी।*

और उस में विरोध नहीं, कि छोटा बड़े से आशीष पाता है।

और यहां तो मरनहार मनुष्य दसवां अंश लेते हैं; पर वहां वही लेता है, जिस की गवाही दी जाती है, कि वह जीवित है। और मैं...

तो मैं सकता हैं... यह भी कहूँ, कि लेवी ने भी... जो दसवां अंश लेता *है, दसवां अंश* लेता है *अब्राहम के द्वारा दसवां अंश दिया।*

क्योंकि जिस समय मलिकिसिदक ने उसके पिता से भेंट की, उस समय यह अपने पिता की देह में था।

161 आपका—आपका मसीह के प्रति दृष्टिकोण बहुत बड़े प्रभाव को डालेगा कि आपके बच्चे क्या होंगे। आपका जीवन जो आप अपने परिवार के सामने जीते हैं, यह प्रभाव को डालेगा कि आपके बच्चे क्या होंगे। क्योंकि, बाईबल ने कहा, कि, "वह बच्चों पर माता–पिता के अधर्म का दण्ड देगा तीसरी और चौथी पीढ़ी तक।"

162 अब, बस कुछ ही क्षण, बंद करने से पहले।

और *इसलिए* यदि *सिद्धता* (वहां फिर से आपकी सिद्धता है) *लेवीय याजक पद के द्वारा, (जिस के सहारे से लोगों को व्यवस्था मिली थी,) तो फिर क्या आवश्यकता थी, कि* वहां आकर... *दूसरा याजक मलिकिसिदक की रीति पर खड़ा हो, और हारून की रीति का न कहलाए?*

163 व्यवस्था, नियमवादी, देखो, "ओह, आपको *ऐसा* करना होगा। यदि आप *ऐसा* नहीं करते हैं, तो आप मसीही नहीं हैं। यदि आप सब्त को नहीं मानते हैं! यदि आप नहीं... यदि आप मांस खाते हैं! यदि आप *इन* कामो को करते हैं!" ये सभी नियमवादी विचार। "और आपको कलीसिया जाना ही होगा। यदि आप नहीं जाते हैं, तो आपको इसके लिए दंड का भुगतान करना

हैं। आपको एक नोवेना या प्रार्थना की माला फेरना है।" वह सारी चीजे बेकार की बातें है। आप परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा बचाए गये है, परमेश्वर के पूर्वज्ञान के द्वारा, उसके पहले से ठहराये जाने के द्वारा। परमेश्वर ने अब्राहम को पहले से ठहराये जाने के द्वारा, पूर्वज्ञान के द्वारा बुलाया। उसने बुलाया। वह एसाव से घृणा की, और याकूब से प्रेम किया, इससे पहले कि दोनों में से एक का भी जन्म हो। यह सही है। यह—यह परमेश्वर का पूर्वज्ञान है जो इन बातों को जानता है।

164 तब आप कहते है, "तब सुसमाचार प्रचार करने का क्या फायदा? "

165 अब मैं आपसे यह कहूंगा। पौलुस ने उत्तर यह दिया, या मेरा मतलब यीशु ने दिया। यहाँ यीशु है। उसने कहा, "स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जो इस एक—एक तालाब या झील पर गया, और जाल को फेंका। उसने खींचा। वहाँ से उसने कछुओ को पकड़ा था। उसके पास छोटे कछुए थे। उसके पास सर्प थे। उसके पास छिपकलियां थी। उसके पास मेंढक थे। उसके पास मकड़ियाँ थीं। उसके पास लोथ खाने वाले जानवर थे। उसके पास मछली थी—थी।" अब, मनुष्य बस जाल को खींच रहा है।

166 यह सुसमाचार की तरह ही है। यह अब यहाँ है, मैं सुसमाचार को प्रचार कर रहा हूँ। मैं बस जाल को फेंकता हूँ। मैं इसे खींचता हूं, मैं कहता हूं, "वो सब जो चाहे, जो कोई भी, वो आये।" यहाँ कुछ ऊपर आते है, वेदी पर। वे सभी वेदी के चारों ओर बने रहते हैं। वे प्रार्थना करते हैं। वो रोते हैं। मैं किसी एक को भी नहीं जानता। यह मेरा काम नहीं है। मुझे न्याय करने के लिए नहीं भेजा गया।

167 लेकिन, वहाँ कुछ है जो मेंढक हैं। वहां कुछ है जो छिपकली है। वहां कुछ ऐसे हैं जो सांप हैं। यह, कुछ, कछुए हैं। और वहां कुछ है जो मछली है। ये मेरा काम नहीं है कि न्याय करूं। मैं कहता हूं, "पिता, यहाँ है जिसे मैंने खींचकर निकाला है।"

168 लेकिन, आरंभ से ही वो मेंढक, एक मेंढक था।

169 मकड़ी, पुरानी मकड़ी वहां बैठी होगी और थोड़ी देर यहाँ वहां देखेगी, उन बड़ी आंखो को घुमाएगी, चारों ओर देखकर, कहती है, "क्या आपको यह पता है? मैंने बस इसमें से उतना ही लिया है जितना मैं ले सकती हूं। प्लॉप, प्लॉप, प्लॉप, प्लॉप, वे निकल जाती है।

170 पुरानी महिला सर्प सिर को ऊपर उठाकर, और कहती है, "अच्छा, तुम्हें पता है क्या? यदि वे इस तरह से प्रचार करेंगे, छोटे कपडे और इत्यादि पहनने के विरुद्ध, यह मुझे लेता है। तो मैं उस पवित्र–शोर शराबा करने वाले झुंड से दूर ही रहूंगी। बस इतना ही होना चाहिए था।" तुम आरंभ से ही एक सर्प थे। यह बिल्कुल सही है। जी हां।

171 और यहाँ पुराने मिस्टर विषदार मेंढक बैठे हुए है, उसके मुँह में उस बड़े–बड़े सिगार के साथ, एक बड़े सींग वाले टेक्सास के सांड के जैसे, वहाँ खड़ा होता है और यहाँ वहां देखकर, कहेगा, "खैर, इसने मुझे धूम्रपान करने के लिए कभी दोषी नहीं ठहराया। मैं ठीक अभी इस चीज़ से बाहर निकल जाऊंगा।" खैर, तुम पुराने मेंढक, तुम आरंभ से ही वही थे। यह बिल्कुल सही है। यह बिल्कुल सही है।

172 आपका स्वभाव साबित करता है कि आप क्या हो। आपका जीवन दिखाता है, दर्शाता है कि आप क्या हैं, और आरंभ में। इसे देखना मेरे लिए मुश्किल नहीं है। इसे देखना आपके लिए मुश्किल नहीं है।

173 यदि मैं रॉय पशु वध करने वाले के यहाँ जाता हूँ वो किसान जो यहाँ बैठे हुए है, और मैं कूड़े के ढेर पर सूअरों को कूड़े को खाते हुए देखता हूँ, मुझे इस विषय में कुछ भी बुरा नहीं लगेगा। वह एक सुअर है। लेकिन यदि मैंने उस कूड़े के ढेर पर एक मेमने को देखा, तो मुझे आश्चर्य होगा। हूं–हुंह। समझे? चिंता मत करो, आप उसे वहाँ नहीं देखोगे। वह बस इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। यह सही बात है।

174 और एक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा से जन्मा है, वह संसार की चीजो से घृणा करता है। यह सही बात है, "क्योंकि यदि तुम संसार से या संसार की चीजो से प्रेम रखते हो, तो परमेश्वर का प्रेम तुम में है भी नहीं।"

175 यदि मैं हर दिन महिलाओं के साथ यहाँ–वहां घूमता फिरता हूँ, और आकर, अपनी पत्नी से कहता कि मैं उससे प्रेम करता हूँ, तो वह जान जाएगी कि मैं झूठा हूँ। मेरा चाल–चलन मेरे शब्दों से अधिक जोर से बात करेगा। निश्चित रूप से। मैं उसे साबित करता हूं कि मैं उससे प्रेम नहीं करता, क्योंकि मैं उसके प्रति सच्चा नहीं हूँ।

176 उसने मुझे बताया कि वह मुझसे प्रेम करती है, और हर बार जब मैं चला जाता हूँ, तो वह किसी और के साथ चली जाती है, यह साबित करेगा कि वह मुझसे प्रेम नहीं करती। सही है। उसका चाल चलन इसे साबित

करता हैं। मैं परवाह नहीं करता कि वह मुझे कितना भी बताने की कोशिश करती हो, "बिल, मैं आपसे प्रेम करती हूँ, और दुनिया में आपके अलावा कोई और नहीं है, " मैं जानता हूँ कि वह एक झूठी है।

177 और जब आप कहने की कोशिश करते हैं, "प्रभु, मैं आपसे प्रेम करता हूँ, " और दुनिया की चीजो को करते हैं, परमेश्वर जानता है कि आप आरंभ से ही एक झूठे हैं। तो क्यों? एक पुराने आधे–अधूरे अनुभव को स्वीकार करने का क्या फायदा, और इसी तरह से कुछ और, जब कि स्वर्ग के बड़े–बड़े आसमान पूरी तरह वास्तविक चीज़ से भरे हुए हैं? आप भला एक अभागे, तथाकथित, आधे–अधूरे, अध–पके, कहलाने वाले मसीही क्यों होना चाहते हैं? जब कि, आप परमेश्वर के सच्चे फिर से जन्मे संतान हो सकते हैं, आपके हृदय में स्वर्ग की आनंद की घंटियां बज रही हैं, आनंद करते हुए, और परमेश्वर की स्तुति करते हुए, और यीशु मसीह में से होते हुए विजयी जीवन को जीते हुए।

178 ना ही इसे खुद से करने की कोशिश करते हुए, क्योंकि आप आरंभ में ही असफल हो जायेगे। लेकिन उसे ले, यह उसका वचन है, और उस पर विश्राम करो जो उसने कहा वह सत्य था। और उस पर विश्वास करें, और उससे प्रेम करें, और वह आपके हर एक कार्य को ठीक आपके लिए सही कर देगा। ऐसा ही है। यही वो धारणा है।

179 प्रभु आपको आशीष दे। आपको फटकारना नहीं चाहता, लेकिन भाई, थोड़ी सी फटकार को लेना ही अच्छा है। आप मेरे बच्चे हैं। समझे? और कोई भी पिता जो अपने बच्चों से प्रेम करता है, निश्चित रूप से उनके सुधार करेगा, या तो वह सही तरह का पिता नहीं है। क्या यह सही है? यह सही बात है। और इस पिता का केवल एक ही नियम होता है, और वह है घर का नियम। और परमेश्वर का केवल एक ही नियम है, और वह है उसका वचन।

180 यदि हम उसके वचन पर विश्वास करते हैं, तो हम उसके वचन के अनुसार जीएंगे। यह हमारा कर्तव्य है, यदि हमने कभी परमेश्वर से भेंट की हैं। ना ही इसलिए कि आप कहते है, "ठीक है, मैं कलीसिया जाता हूँ, और मुझे *ऐसा* करना होगा।" आप दयनीय दशा में हो। ऐसा ना करे। आप एक दयनीय, घिसे हुए, अधर्मी कौवे क्यों बनना चाहेंगे जब कि आप एक पिंडुक बन सकते हैं? निश्चित रूप से। आपको बस अपने स्वभाव को

बदलना है। और आप अपने स्वभाव को बदले, परमेश्वर के पुत्र और पुत्री बने, परमेश्वर के साथ शांति में रहे।

181 यीशु! "इसी कारण, यीशु ने भी लोगों को अपने ही लहू के द्वारा पवित्र करने के लिये, फाटक के बाहर दु:ख उठाया।" इब्रानियों 13:12 और 13। रोमियों 5:1, "इसलिए हम विश्वास से धर्मी ठहरे," ना ही हाथ मिलाने के द्वारा, ना ही पानी के बपतिस्मे के द्वारा, न ही हाथ रखने के द्वारा, न ही चिल्लाने से, न अन्य भाषा बोलने से, न किसी भी अनुभूति से। "जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो हमारे प्रभु यीशु मसीह में से होते हुए हमारे पास परमेश्वर के साथ शांति है। हमने मृत्यु से जीवन में प्रवेश किया हैं, और नयी सृष्टी बन गए हैं, क्योंकि हमने केवल परमेश्वर के एकलौते पुत्र पर विश्वास किया है, और उसे हमारे व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के नाई स्वीकार किया है। और उसका लहू आज रात हमारे पापों के प्रायश्चित के नाई हमारे स्थान पर खडे होने का कार्य करता है।

182 पुराने नियम में, वहां संगति करने के लिए केवल एक ही स्थान होता था, वह है लहू के नीचे। हर एक विश्वासी को लहू के नीचे आना था। जब लाल बछड़ा मारा गया था, तो उसे ऐसा पापबलि के लिए किया गया। उसे अवश्य ही लाल होना है। और निर्गमन का 19वां अध्याय, यदि आप में से कोई इसे पढ़ना चाहता है। और उसे अवश्य ही लिया जाना है, खुर, सब कुछ, एक साथ जला देना है। और फिर उसे अलगाव का जल बना दिया गया था। इसे बिना फाटकों के स्थापित किया गया था। इसे शुद्ध हाथ से किया जाना था। इस बछड़े का लहू पहले... सभा के लोगो के लिए चला गया, और द्वार पर सात बार थपथपाया गया। और अब, हर एक अशुद्ध व्यक्ति जो आगे चल रहा है, पहले अवश्य ही पहचान करना है और उस लहू को देखना है, और इसे समझे कि केवल उस लहू के नीचे संगति है। केवल यही वह स्थान है जहां आराधना करने वाले वास्तव में आधिकारिक रूप से आराधना कर सकता था, जो लहू के नीचे था।

183 उसके बाद, पहली बात जो उसे करना था, इससे पहले वो लहू के नीचे आये, उस पर अलगाव के उस जल जो छिड़का जाना था, और अशुद्ध को शुद्ध किया जाता है।

184 और उन्होंने अलगाव के जल को लेकर इसे मुसाफिर मनुष्य पर छिड़का, और उसे उसके पापों से अलग कर दिया। और उसके बाद वो

लहू की इन सात धारियों के नीचे चला, और बाकी के विश्वासियों के साथ परमेश्वर की उपस्थिति में संगति की।

185 इसे करने का केवल एक ही तरीका है। ना ही हाथ मिलाना, ना ही कलीसिया में जुड़ना, ना ही बपतिस्मा के द्वारा, ना ही भावनाओं के द्वारा; लेकिन अलगाव के जल पर चले, विश्वास के द्वारा, यीशु के सिर पर हाथ रखे, और कहे, "मैं पापी हूँ, और आप मेरे स्थान पर मर गए। और मुझमें कुछ तो है जो बताता है कि आप मुझे मेरे पापों के लिए क्षमा करेंगे, और मैं अब आपको अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करता हूं।" उस ओर लहू के नीचे चले, उधर, परमेश्वर के संतान के साथ संगति करे। ऐसा ही है। रोटी खाये, दाखरस पीये, और कलीसिया के साथ संगति करे।

186 ओह, क्या वो अद्भुत नहीं है? क्या वह भला नहीं है? अब, यह हो सकता है आपको अजीब सा लगे, मित्र। लेकिन मैं यहाँ क्यों—क्यों खड़ा हूँ और ये बातें किस लिए कह रहा हूँ? क्या मैं उन बातों कह रहा हूँ ताकि खुद को किसी और से अलग बनाने की कोशिश करूं? यदि मैं करता हूं, तो मुझे पश्चाताप की आवश्यकता है। मैं यह इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि परमेश्वर ने इसे कहा है, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है। और सुनना। वहां एक समय आ रहा है, और अब है, जब लोग पूर्व से पश्चिम की ओर जा रहे हैं, परमेश्वर के वचन को पाने की कोशिश कर रहे है, और इसे नहीं पा सकते है।

187 जब आप किसी सभा में जाते हैं, तो सबसे पहली चीज जो आप करते हैं, आप वहाँ जाते है और उनके पास कुछ अन्य जुबान के और अनुवाद करने वालो के झुण्ड होते हैं, और कोई तो उठकर वचन का हवाला देता है; और यह शारीरिक है। बिल्कुल। परमेश्वर ने हमारे लिए कहा "व्यर्थ दोहराव का उपयोग न करें," उसके बारे में क्या? यदि उसने इसे एक बार लिखा है, तो आप इसे विश्वास करे। उसे दोबारा कहने की आवश्यकता नहीं है। अन्य जुबान और अनुवाद सही हैं, लेकिन यह कलीसिया और किसी और के लिए एक सीधा संदेश होता है, ना ही बस शारीरिक और इस तरह की चीजें। और फिर आप इन सब अन्य बातों में आगे निकल जाते हैं।

188 यहाँ पर एक दिन, दो व्यक्ति चलकर... और एक पुरुष और एक पत्नी, और दूसरा पुरुष और एक पत्नी, हाल ही में युवा विवाहित, एक स्थान पर, मिशनरी के रूप में अफ्रीका जाने के लिए चलकर गए। किसी ने तो उठकर

एक भविष्यद्वाणी की, और अन्य जुबान को बोला और अनुवाद को किया, कि, "उनकी किसी और की पत्नी थी।" कि, "ये इस तरह से नहीं होना चाहिए। उन्होंने गलत व्यक्ति से विवाह किया है।" और वे दो लोग अलग हो गए और फिर से विवाह कर लिया। एक पुरुष ने दूसरे की पत्नी से कर लिया, एक दूसरे की, एक प्रमुख पेंटीकोस्टल संप्रदाय में, और मिशनरियों के रूप में अफ्रीका गए।

189 भाई, जब आप विवाह की प्रतिज्ञा को लेते हैं, आप तब तक उस प्रतिज्ञा के लिए बंधे होते हैं जब तक कि मृत्यु आपको आज़ाद नहीं कर देती। बिल्कुल सही है। निश्चित रूप से। जब आप अपनी प्रतिज्ञा लेते हैं, तो यही बंधना होता है।

190 वो सब, बेकार है! और यह एक स्थान है जब तक आप कलीसिया में जाते हैं, यह या तो बहुत ठंडा और औपचारिक और सूखा होता है, इतना तक कि आत्मिक तापमान–यंत्र शून्य से पचास नीचे चला जाएगा। लोग बस अचार पर मस्से की तरह बैठे रहते है, खटास के नाई और रूखे–रूखे और मुरझाये हुए। और यदि आप किसी को सुनते हैं, कहीं तो दूर पीछे कोने में, हो सकता है थोड़ा घुरघुराते हुए कहे "आमीन," कभी तो एक बार, जैसे कि उन्हें दर्द हो रहा हो, वे सारे हंस की नाईं उनकी गर्दन को तानेंगे, कि यहाँ वहां दृष्टि करके देखेंगे कि किस बात ने जगह ली है। आप जानते है कि यह सच्चाई है। मैं यह मजाक के लिए नहीं कह रहा हूं। यह मजाक करने का स्थान नहीं है। यही सच्चाई है। सही है। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि यह सुसमाचार की सच्चाई है।

191 और दूसरी तरफ, आपको एक बेहूदा बातो एक झुण्ड मिलता है जो एक शारीरिक भावनाओ का झुण्ड है ऐसा करता ही जाता है, और परमेश्वर का सच्चा वचन अंत में एक ऐसे स्थान पर पहुंच गया है जहां आप शायद ही इसे कभी सुन सकते हैं: वो पुराना बीच का रास्ता, सुसमाचार, मेरे मार्ग का उजियाला, हाल्लेलुय्या, मेम्ने का लहू, परमेश्वर का प्रेम जो हमें संसार की चीजों से अलग करता है।

192 "क्या आपने अन्य जुबान में बोला है, भाई? तो आपको यह नहीं मिला है। क्या आप चिल्लाए है इतना तक कि ठंड का अहसास आपकी पीठ पर चढ़ गया हो? क्या आपने आग के गोले देखे? " ओह, बेहूदा बात है! ऐसी कोई चीज नहीं।

193 क्या आपने प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास किया है और उसे अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है? और परमेश्वर का आत्मा आपकी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि आप परमेश्वर के पुत्र और कन्या हो। और आपका जीवन प्रेम, आनंद, शांति, धीरज, भलाई, नम्रता, सज्जनता के फल को लाता है। तब आप एक मसीही हो। यदि ऐसा नहीं होता है, तो मैं परवाह नहीं करता कि आप क्या करते हैं।

पौलुस ने कहा, "मैं अपनी देह को बलिदान के रूप में जलाने के लिए दे सकता हूँ। मैं परमेश्वर के सारे रहस्यों को जानता हूँ। मैं अपने विश्वास से पहाड़ों को हटा सकता हूं। मैं मनुष्यों और दूतो की तरह अन्य जुबानो में बोल सकता हूं। मैं कुछ भी नहीं हुँ।" इस के बारे में क्या है? पहला कुरिन्थियों 13; इसे देखे कि यह सही है या नहीं।

194 अब देखे कि क्या—क्या ये कुरिन्थियों, दूसरा कुरिन्थियों 13 है, मैं सोचता हूँ कि यही है। या, तो ठीक है, यह या तो पहला या दूसरा कुरिन्थियों में है। वहाँ पहला कुरिन्थियों, पहला कुरिन्थियों 13, सही है। "भले ही मैं मनुष्यों, और स्वर्गदूतों की बोलियां बोलूं," दोनों ही जाति का जिसका अनुवाद किया जा सकता है और जिसका, अनुवाद नहीं किया जा सकता है, "मैं कुछ भी नहीं हूँ।" तो तब इसके साथ खिलवाड़ करने से क्या फायदा?

195 "भले ही मैं परमेश्वर के सारे रहस्यों को समझूं।" आप सेमिनरियों में क्यों जाते हैं और इसके बारे में इतना कुछ जानने की कोशिश क्यों करते हैं? बेहतर होगा कि पहले आप परमेश्वर के साथ सही कर ले। निश्चित रूप से। "यदि मैं, 'ओह, धन्य हाल्लेलुय्या!'"

196 आपको ऐसा मिला है तो आपके पास यहाँ तक सभा के लोग भी नहीं हो सकते जब तक कि आपके पास चंगाई अभियान या किसी प्रकार के चिन्ह–चमत्कार नहीं हो रहे हों। "एक कमजोर और व्यभिचारी पीढ़ी ऐसे ही चीजो के पीछे जाती है।" आप इसके साथ क्या चाहते हैं?

197 पौलुस ने कहा कि वो हर तरह की चीजों को कर सकता है, यहां तक कि पहाड़ों को भी हटा सकता है, और फिर भी वो कुछ भी नहीं है। "जहां अन्य जुबान है, ये समाप्त हो जायेगा। जहां ज्ञान है, ये लुप्त हो जाएगा। जहां भविष्यवाणियां हैं, वह विफल हो जाएगी। लेकिन जब वो सर्वसिद्ध है यह आता है, तो वह सदा के लिए बना रहेगा," और प्रेम सिद्धता है। "परमेश्वर

ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, कि," जो कोई कंपकपाता है, जो कोई हिलता–डुलता है, जो बोलता है, जो कोई–... ? "जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न होगा, परन्तु उसके पास अनन्त जीवन है।" यह विश्वास करो, बच्चों।

198 वे इसे इतना उलझा हुआ बनाने की कोशिश करते हैं, *इन* चीजों को और *उन* चीजों को। जब, ये ठीक एक चीज के लिए उकसाता है: परमेश्वर में आपका व्यक्तिगत विश्वास। ऐसा ही है। यह इसे बताता है। "क्योंकि विश्वास के द्वारा," ना ही महसुस होने के द्वारा। "विश्वास के द्वारा," ना ही भावना के द्वारा। "विश्वास के द्वारा," ना ही अनुभूति के द्वारा। "लेकिन विश्वास के द्वारा तुम्हारा उद्धार हुआ है; और उसके द्वारा... " क्योंकि अपने प्रभु को ढूंढा? क्योंकि आप एक अच्छे व्यक्ति थे? क्योंकि, "परमेश्वर ने, अनुग्रह के द्वारा, आपको पहले से जानता था और आपको अनन्त जीवन के लिए नियुक्त किया।"

199 यीशु ने कहा, "कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक कि मेरा पिता उसे अपनी ओर न खींच लें। और जो कोई मेरे पास आता है, मैं उसे अनन्त जीवन दूँगा। कोई मनुष्य उन्हें मेरे हाथ से नहीं छीन सकता। वे मेरे हैं। वे हमेशा के लिए बचाए गए हैं। मैंने उन्हें पाया है। कोई उन्हें मेरे पिता के हाथ से छीन नहीं सकता, और वही वो एक है जिन्हें मुझे देता है। वे मेरे प्रेम के उपहार हैं।"

200 "और वे सब जिसे वो पहले से जानता है, उसने बुलाया।" वह किसी को नहीं बुलाता, जब तक वह उसे पहले से नहीं जानता। "जिन सबको उसने बुलाया, उसने धर्मी ठहराया; जिन सब को उसने धर्मी ठहराया, उसने महिमावंत भी किया है।" तो, आप देखो, हम बिल्कुल सही विश्राम पर हैं।

201 अब, मैं जानता हूँ कि यहाँ बहुत सारे नियमवादी हैं, आप में से निन्यानवे प्रतिशत। लेकिन, देखो, यदि आप इसे केवल लेकर और समझेगे कि मैं आपसे कुछ तो कहने की कोशिश नहीं कर रहा हूं।

202 तब आप कहते हो, "खैर, भाई ब्रन्हम, मैंने हमेशा सोचा है कि मुझे *ऐसा* करना था और मुझे *वैसा* करना था।" वहां इस में एक बहुत—बहुत ही फर्क है भाई, आपको क्या करना है और आप क्या करना चाहते है। आप बचाए गए हैं, इसलिए नहीं कि आपको इसके साथ एक चीज को

करना था। आप बचाए गए हैं क्योंकि उस परमेश्वर ने आपको जगत की नीव डालने से पहले बचाया था।

203 सुनो, यहाँ सुनना, बाईबल ने प्रकाशितवाक्य में कहा, मैं आपको पहले से अब अंत तक ले के जाऊंगा, बाईबल ने प्रकाशितवाक्य में कहा, कि, जब वह पशु आया, "उसने पृथ्वी पर सब को भरमाया," ये पशु ने किया, "उसने पृथ्वी पर सब को भरमाया, जिनके नाम मेम्ने के जीवन की पुस्तक में नहीं लिखे थे," क्या जब से बेदारी शुरू हुई, क्या यह सही लगता है? अच्छा, जब से प्रचारक ने उस सामर्थ से भरे उपदेश का प्रचार किया? जब से वह मनुष्य चंगा हुआ? "जगत की नींव के डालने से लेकर।"

204 यीशु कहाँ मारा गया था, कलवरी पर? नहीं, महाशय। यीशु जगत की नींव डालने से पहले ही मारा गया था। "परमेश्वर के मेमने की ओर देखो, जो जगत की नींव डालने से पहले मारा गया था।" परमेश्वर, आदि में, जब उसने पाप को देखा, उसने देखा कि क्या हुआ था, उसने वचन को बोला। और यीशु जगत की नीव डालने से पहले ही मारा गया था। और हर एक व्यक्ति बचाया गया था, बचाया गया, बाईबल के अनुसार, जब मेम्ना परमेश्वर के मन में मारा गया था, जगत की नींव डालने से पहले। तब आप उद्धार में सम्मिलित हुए थे। तो इसके विषय में आप क्या करने जा रहे है?

205 यह परमेश्वर है। प्रभु का नाम धन्य हो! "यह परमेश्वर है जो कार्य को करता है; न ही वो जो चाहता है, न ही वो जो दौड़ता है, लेकिन परमेश्वर जिस पर दया को दिखाता है।"

यदि यीशु को जगत की नीव डालने से पहले ही मारा गया था, तो वास्तव में ऐसा घटित होने में चार हजार वर्ष लग गए। लेकिन जब परमेश्वर ने इसे यहाँ पहले बोला, तो परमेश्वर का हर एक वचन स्थिर है। यह अपरिवर्तनीय है। यह अचूक है। यह चूक नहीं सकता। और जब परमेश्वर ने जगत की नीव डालने से पहले पुत्र को घात किया, तो वो बस उतना ही घात गया था जैसे वो कलवरी पर था। यह एक समाप्त हुआ उत्पादन है, जब परमेश्वर ऐसा कहता हैं। और याद रखे, जब मेम्ना घात किया गया था, तब आपका उद्धार बलिदान में सम्मिलित था, क्योंकि बाईबल ने कहा कि आपका नाम "जगत की नींव डालने से पहले मेम्ने की जीवन की किताब पर लिखा गया था।"

उसके बारे में क्या? तब हम क्या करने जा रहे हैं? यह तो परमेश्वर है जो दया को दिखाता है। यह तो परमेश्वर है जिसने आपको बुलाया है। यह परमेश्वर है जिसने आपको जगत की नीव डालने से पहले मसीह में चुना है। यीशु ने कहा, "तुमने मुझे कभी नहीं—तुमने मुझे कभी नहीं चुना। मैंने तुम्हें चुना है। और मैं तुम्हें जगत की नीव डालने से पहले जानता हूँ।" वहां आप है।

206 तो देखिए, यह आपमें से डर को निकाल देता है। "ओह, मैं सोचता हूँ कि क्या मैं इसे थामे रख सकता हूं? मैं इसे कर लूंगा, परमेश्वर धन्य है, यदि मैं बस थामे रखूं।" ऐसा नहीं है कि मैं थामे रखता हूं या नहीं। यह ऐसा है कि वह थामे रखता है या नहीं। यह तो वो है जो—जो उसने किया है, ना हो मैंने जो किया। ये तो वो है जो उसने किया।

जैसे छुटकारे की व्यवस्था के नीचे होता है। यह एक छोटी सी बात है जो मैं बंद करने से पहले कहना चाहता हूं।

207 क्या होगा यदि एक पुरानी घोड़ी ने एक छोटे से खच्चर को जन्म दिया? और उस छोटे से खच्चर के दोनों कान ख़राब हो गए थे। उसकी आंखे भेंगी या तिरछी थी, और घुटने टेढ़े थे, पैर तिरछे थे। उसकी पूंछ सीधे हवा में लटकी हुई है। क्या ही भयानक दिखने वाला जानवर है! क्यों, कोई भी... यदि यह छोटा खच्चर सोच सकता है, कहता है, "अब, एक मिनट रुकना। आज सुबह जब वे घर से बाहर आएंगे, तो मैं तुमसे कहता हूं, मुझे पक्का सिर में मार मिलेगी। क्योंकि, वे मुझे कभी भी भोजन नहीं देते। देखो मैं कितनी भयानक दिखने वाली चीज़ हूँ। मुझे तो यहाँ तक कभी मौका ही नहीं मिला है।"

208 तो, यह सही है। आपको मौका नहीं मिला है। "खैर, मैं इस दुनिया में जन्मा था, लेकिन यहाँ देखो मैं कितनी भयानक दिखने वाली चीज़ हूँ। सो मुझे—मुझे—मुझे—मुझे कभी भी मौका नहीं मिलेगा। मैं इसे नहीं कर पाऊंगा। मैं इसे नहीं कर सकता हूँ।" देखा?

209 लेकिन क्या होगा यदि उसकी माँ को वास्तव में व्यवस्था में निर्देश दिया गया हो? वह कहेगी, "पुत्र, यह सही है। तुम पूरी तरह से अस्वस्थ हो, और तुम धरती के भोजन को खाने के अनुकुल या फिट भी नहीं हो। यह सही बात है। तुम अनुकुल या फिट नहीं हो। लेकिन, पुत्र, किसी भी और तरह से, तुम मेरे प्रथम हो। और, तुम जानते हो, तुम जन्मसिद्ध अधिकार

के नीचे जन्मे हो। और याजक तुम्हें कभी भी नहीं देखेगा। लेकिन, तुम्हारे नाम के लिए, वहां एक निर्दोष मेम्ना होना है, जिसमें कोई भी दोष न हो, जिसे तुम्हारे स्थान पर मरना है, जिससे कि तुम जी सको।"

210 खैर, वह छोटा खच्चर अपनी एड़ीयों को ऊपर उछाल सकता है और एक अच्छे समय को बिता सकता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो क्या है, क्योंकि उसे उस न्यायी, याजक के द्वारा कभी भी नहीं देखा जाएगा। यह तो मेमना है जिसे याजक देखता है। ना ही खच्चर को; मेमने को!

211 और यह मसीह है जिसे परमेश्वर देखता है, ना ही आपको। यह मसीह है। तो यदि उसमें कोई दोष नहीं है, तो भला वहां कैसे दोष हो सकता है? वो भला दोष को कैसे पा सकता है, जब कि आप मर चुके हैं और आपका जीवन परमेश्वर में से होते हुए मसीह में छिपा हुआ है पवित्र आत्मा के द्वारा मोहरबंद है? "वे जो परमेश्वर से जन्मे हैं वे पाप नहीं करते है, क्योंकि वो पाप नहीं कर सकता।" जब उसके स्थान पर सिद्ध बलिदान जो रखा गया हो तो वो पाप कैसे कर सकता है? परमेश्वर कभी भी मुझे नहीं देखता है, वो मसीह को देखता है, क्योंकि हम मसीह में हैं।

212 अब, यदि मैं मसीह से प्रेम करता हूँ, तो मैं उसके साथ जीयुंगा। वह मुझे तब तक कभी अंदर नहीं लाएगा जब तक वह नहीं जानता हो। यदि परमेश्वर आज मुझे बचाता है, यह जानते हुए कि वह आज से छह सप्ताह बाद मुझे खो देंगा, तो वह अपने ही उद्देश्य को विफल कर रहा है। सही है। तब तो वह भविष्य को भी नहीं जानता है, यदि उसने मुझे बचाया, यह जानते हुए। वह मुझे किस लिए बचाना चाहता है, यह जानते हुए कि वो मुझे खोने जा रहा है? परमेश्वर ऐसा कुछ नहीं करता है, फिर उसे दो सप्ताह में वापस ले लें, जिससे कि वह अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करे। जब वो आपको बचाता है, तो यह समय और अनंतता के लिए होता है।

213 अब, आप उत्तेजित हो सकते है, और कह सकते हैं, "ओह, हाँ, परमेश्वर धन्य हो! हाल्लेलुय्या! मैंने अन्य जुबान में बोला। मैं चिल्लाया। मुझे वह मिल गई। हाल्लेलुय्या!" इसका मतलब यह नहीं है कि आपको मिल गया है। लेकिन, भाई, जब *यहाँ* नीचे कुछ आता है, और आप मसीह के साथ लंगर होते हैं, तब आत्मा के फल आपके पीछे–पीछे आने लगते हैं। हम उसकी आत्मा के साथ अपनी आत्मा की गवाही को देते हैं, कि हम परमेश्वर के पुत्र और कन्या हैं। कृपया इसे प्राप्त करें, मित्रो।

214 मैं आपको पूरी रात यहीं रखूंगा, इसी विषय पर बात करते हुए। मुझे ये पसंद है। मैं आपसे प्रेम करता हूं। मैं समय–समय पर इस छोटे से आराधनालय में वापस आऊंगा, यदि परमेश्वर मेरे जीवन को बचाए रखता है। मैं आपको उस पवित्र विश्वास में जड़वत् और स्थापित देखना चाहता हूं। मैं नहीं चाहता कि आप सिद्धांत की हर एक छोटी–छोटी हवा के झोंके से उछाले जाए, जो आकर, और आपको हिला दे, और चलते रहे, और उनके हाथो में जरा सा लहू, वा उनके चेहरे पर जरा सी बर्फ की परत, या ऐसा ही कुछ और, और किसी प्रकार के—के—के उजियाले को उनके सामने देखना, और किसी प्रकार की एक—एक स्वार्थी बात, जैसा कि बाईबल ने कहा, "उसके मन में फूलता है, और कुछ भी नहीं दिखाई देता।" यह सही बात है। मैं चाहता हूं कि आप वचन पर मजबूत बने। यदि ये **प्रभु यों कहता है** तो इसके साथ बने रहे, इसके साथ जीये। यह इस दिन का उरीम तुम्मीम है। परमेश्वर चाहता है कि आप उसके द्वारा जीये। यदि यह वचन में नहीं है, तो इसके बारे में भूल जाए। परमेश्वर के लिए जीये, मसीह के लिए जीये।

215 और यदि आपका हृदय यहाँ–वहां भटकने लगे, तो आप जानते हैं कि कुछ तो हुआ है, वेदी की ओर वापस जाये और कहे, "मसीह, मुझे नया करें... मेरे उद्धार के आनंद को नया करे। मुझे वह प्रेम दीजिये जो एक बार मेरे पास था। यह प्रकट हो रहा है, प्रभु। वहां कुछ तो ऐसा है जो मैंने किया है। मुझे फिर से पवित्र करे, स्थिर करे। हे प्रभु, मैं कुछ नहीं कर सकता। मैं *इसे* नहीं छोड़ सकता और *उसे* नहीं छोड़ सकता। मैं आपकी ओर देख रहा हूँ कि इसे मुझ में से बाहर निकाले, प्रभु, और मैं आपसे प्रेम करता हूँ।"

216 और उस वेदी से चलकर जाते है, मसीह यीशु में एक नया व्यक्ति। तब आप अपने कलीसिया पर निर्भर नहीं रहेंगे, अपने याजक पर निर्भर नहीं रहेंगे, अपने पास्टर पर निर्भर नहीं रहेंगे। आप प्रभु यीशु के बहाए हुए लहू पर निर्भर रहते हैं। "अनुग्रह के द्वारा आप बचाए गए हैं।"

आइए प्रार्थना करें।

217 प्रभु, ऐसी कडी शिक्षायें! यह समय है कि यह छोटी कलीसिया मांस को ले सकती है, और अब और वचन का दूध नहीं। हम अब दूध में बहुत अधिक रहे हैं, बालक को उसकी बोतल को देते हुए। लेकिन हमारे पास

तगड़ा मांस होना चाहिए, क्योंकि दिन नजदीक आ रहा है। बड़ा संकटपूर्ण समय आने वाला है, और मार्ग में और अधिक परेशानी रखी हुई है। और हम जानते हैं कि बेहतर समय कभी नहीं होगा। हम जानते हैं कि हम अंत में हैं। वचनों के अनुसार, यीशु के आने तक समय और भी लगातार बदतर और बदतर होता चला जाएगा।

218 हम उनसे इस जीवन में कुछ भी प्रतिज्ञा नहीं कर सकते। लेकिन आने वाले जीवन में, हम आपके वचन में से होते हुए उन्हें अनन्त जीवन की प्रतिज्ञा कर सकते हैं, यदि वे परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करें, और उसे अपने प्रायश्चिता के नाई स्वीकार करें, जैसे वो एक उनके स्थान पर खड़ा हुआ था, जब वो एक जिसने उनके पापों को ले लिया। इसे अब प्रदान करे।

219 होने पाए अविश्वासी विश्वासी बन जाए। होने पाए कलीसिया के स्वीकार करने वाले, आज रात यहां, जिन्होंने धर्म को स्वीकार किया है और ऐसे ही कलीसिया में रह रहे हैं, होने पाए वे परमेश्वर के साथ एक अनुभव को प्राप्त कर सके; कि उनके हृदय में ऐसा प्रेम आए, कि वे उनके पापों के लिये रोएं, और अपने आप के लिए मर जाएं, और पवित्र आत्मा के द्वारा नए सिरे से जन्म ले, और नम्रता और दयालु, प्रेम, और आनंद और आशीष से भरे हुए हो। ऐसे जीवन को जीते हुए, इतना तक कि वे इतने नमकीन बन जाये कि वे अपने आस–पास के लोगों को उनके जैसा बनने की प्यास को तैयार करे। इसे प्रदान करे, प्रभु, क्योंकि हम इसे उसके नाम में मांगते हैं।

और हमारे सिर झुके हुए है।

220 मैं सोचता हूं, आज रात, यदि यहाँ कोई एक भी होगा, जो कहे, "भाई ब्रन्हम, यदि मुझे उस समय परमेश्वर के संतुलन में तौला जाता था, मैं उस योग्यता को कभी भी, कभी भी, कभी भी पूरा नहीं कर पाऊंगा, जिस पर आप आज रात बोल रहे हैं। मैं चाहता हूं कि आप मुझे प्रार्थना में याद करे, कि मैं अपने तौर–तरीको को बदलू, और परमेश्वर आकर और मुझ में से इस व्यर्थ की चीज को निकाले और मुझे एक सच्चा मसीही बनाये"? क्या आप प्रार्थना के लिए अपना हाथ उठायेंगे, जैसे आप, क्या आप चाहेंगे? परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, वहां पीछे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

परमेश्वर आपको आशीष दे, महाशय। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन।

पवित्र, पवित्र, पवित्र, सेनाओ का प्रभु परमेश्वर।
आकाश और धरती आप से भरे हुए हैं,
आकाश और धरती आपकी स्तुति कर रहे हैं,
हे परमप्रधान प्रभु।

पवित्र...

221 जैसा कि आप अभी सोच रहे हैं, प्रार्थना करते हुए, जैसा कि आप मानते हैं कि आप गलत रहे है, और आप सही होना चाहते हैं, क्या आप यह कहते हुए अपने हाथ को उठाएंगे, "परमेश्वर, मुझे वो बनाइये जो मुझे होना चाहिए"? परमेश्वर आपको आशीष दे, छोटी महिला। "परमेश्वर, मुझे वो बनाये जो मुझे होना चाहिए।" परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई, बहन, आपको, आपको, आपको *यहाँ* पर।

222 दिन ख़त्म हो रहा है। मैं जानता हूँ कि यह कठिन है, मित्रो, लेकिन बेहतर है कि अब सत्य को जान ले। अब धीरे–धीरे प्रार्थना करे।

पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु परमेश्वर...

वो ही केवल एक पवित्र है।

... आपसे भरे हुये है,
आकाश और धरती आपकी स्तुति कर रहे हैं,
हे परमप्रधान प्रभु।

223 स्वर्गीय पिता, जब शाम को सूरज डूबता है, रॉबिन चिड़िया अपने प्रियजनों के साथ पेड़ों में इकट्ठा होती हैं। सारे पक्षी अपने–अपने घोंसलों में चले जाते हैं। पिंडुक तारों पर ऊँचे उड़ जाते हैं, सो वे सर्प उन्हें रात भर परेशान नहीं करेंगे। वे वहां बैठे होते हैं और एक–दूसरे के साथ कु–कु करते हैं जब तक वे सो नहीं जाते। अत: सूरज ढल जाता है।

224 किसी दिन हम उस घडी के लिए वहां आ रहे हैं। सूर्यास्त होने जा रहा है। मैं नहीं जानता कब, प्रभु। लेकिन आज रात यहां लोग हैं जो मानते हैं कि वे गलत थे, और वे उस स्थान पर आना चाहते हैं, जैसे लिंकन उस बात के पास आया जब वह मर रहा था, उसने कहा, "मेरे चेहरे को डूबते

सूर्य की ओर कर दो।" और उसने खना आरंभ किया, "हमारे पिता तू जो स्वर्ग में हैं।"

225 जैसे पुराने समय के मूडी ने कहा, "क्या इसी को मृत्यु कहते हैं? यह मेरा अभिषेक का दिन है।"

226 हे अनंत, उन्हें अभी विश्वास के द्वारा ग्रहण कीजिये, जैसा कि वे वहां उनकी सीटों पर बैठे हुए हैं। आपने उनके हृदय में, सीट पर खटखटाया है। यही उनकी वेदी है। यह आपके लिए ठीक अभी उन्हें ग्रहण करने का समय है। आपने कहा, "वो जो मेरे पास आता है, उसे मैं कभी न निकालूंगा।"

227 और किसी दिन जब सूरज डूब रहा होता है, पत्नी या पति बिस्तर के पास खड़े होते हैं, डॉक्टर चले जाते है। हे पवित्र, पवित्र, वह सुंदर, मधुर शांति, सूर्यास्त से ठीक पहले होती है। जब हम उठ कर और कह सकते है:

सूर्यास्त और साँझ का तारा,
और मेरे लिए एक स्पष्ट पुकार!
और होने पाए वहां घेरे पर कोई शोक ना हो,
जब मैं समुद्र में डाल दिया जाऊं।

228 हे परमेश्वर, उन्हें इस घडी के लिए प्रदान करें, जबकि वे रुके हुए हैं, परमेश्वर की आशीष के उन पर आने के लिए रुके हुए हैं। सारे क्रोध को ले लीजिये, सारे संसार को, उनसे दूर कीजिये, और उनमें एक नये हृदय की सृष्टी करे। आपने कहा, "मैं पुराने हृदय को निकाल दूंगा, और मांस के हृदय को डाल दूंगा। और मैं अपने आत्मा को उस हृदय में डालूंगा, और वे मेरी विधियों पर चलेंगे, और मेरी आज्ञाओं को मानेंगे।" क्योंकि, यह एक प्रेम की व्यवस्था है, और ना ही कर्तव्य की। यह प्रेम की है। और प्रेम हमें इसे करने के लिए विवश करता है। यह एक प्रेम का कर्तव्य है, ताकि हमें विवश करे। प्रेम का पालन करना ये हमारा कर्तव्य है। और मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि आप इसे हर उस हृदय को देंगे जिसने आज रात उनके हाथ को ऊपर उठाया है।

229 और जिन्हों ने उनके हाथ को नहीं उठाया, होने पाए वे अब अनुग्रह के द्वारा आपको ग्रहण करने के लिये उनके हाथ को उठाएं, और आपकी आत्मा से भरने के लिए, इस दीन, मधुर, शांत, नम्र तरह से; और अनुग्रह से भर जाए, यहाँ से एक बदले हुए व्यक्ति के रूप में बाहर जाये। किस तरह

से पक्षी अलग गाने लगेंगे, किस तरह से हर एक जन अलग होगा, इस घडी के बाद, हे परमप्रधान प्रभु।

पवित्र, पवित्र, पवित्र, धरती का प्रभु परमेश्वर।
आकाश और धरती आप से भरे हुए हैं,
आकाश और धरती आपकी स्तुति कर रहे हैं,
हे परमप्रधान प्रभु।

230 आप अब सिरो को झुकाए हुए है, आप जिन्होंने प्रार्थना में याद किए जाने के लिए हाथो को उठाया, क्या आपको ऐसा महसूस होता है कि परमेश्वर ने आपसे अभी इस तरह से बात की है, ना ही भावना के द्वारा, लेकिन बस वहां आप में वहां बात की है, आपको ऐसा महसूस होता है कि परमेश्वर ने आपको अनन्त जीवन दिया है? आपको ऐसा महसूस होता है जैसे कि आप आज रात एक अलग व्यक्ति के रूप में कलीसिया से बाहर जा रहे हैं? क्या आप आज रात अपने हाथ उठाएंगे वहां पीछे? परमेश्वर आपको आशीष दे, पुत्र। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई। परमेश्वर आपको आशीष दे, बहन। परमेश्वर आपको आशीष दे। यह ठीक है। "मैं आज रात इस कलीसिया से एक नए व्यक्ति के रूप में जाऊंगा।" परमेश्वर के राज्य में नये जन्मे बालक।

231 क्या हुआ? मैं जानता हूँ कि यह वेदी पर आने का एक आदेश है। यह एक मेथोडिस्ट वेदी है, मेरा मतलब है एक मेथोडिस्ट आदेश। यह जॉन वेस्ली के दिनों में मेथोडिस्ट कलीसिया में स्थापित किया गया था। यह बाईबल के दिनों में कभी नहीं था। "जितनो ने विश्वास किया, उतने कलीसिया में जोड़े गए।" आप कहीं भी हो आप विश्वास कर सकते है, बाहर मैदान में हो, बाहर सड़क पर, कहीं पर भी हो। कहीं भी हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, ठीक वैसे ही जैसे आप मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं। यह पवित्र आत्मा का कार्य है जो आपके हृदय में आता है। जब आप उस पर विश्वास करते हैं, उसे स्वीकार करते हैं, तो आप मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुके है, और आप मसीह यीशु में नयी सृष्टी बन गए है।

मुझे छोड़ कर न निकले, हे दयालु उद्धारकर्ता,

अब अपने पैरों पर खड़े हो जाये।

... मेरा नम्र पुकार;
जबकि आप दूसरों को पुकार रहे है,
मुझे छोड़ कर ना निकले।

232 अब मैं उस युवक और उस स्त्री को चाहता हूं, जिसे मैं समझता हूं कि उसकी पत्नी होगी, जिस ने अपने हाथ को उठाया, मैं चाहता हूं कि आप फिर से अपने हाथ को उठाये वहां पीछे; पुत्र, जो लाल कोट के साथ है, और महिला, कि उन्होंने मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है। यहाँ पर व्हील चेयर पर बैठे हुए युवक ने मसीह को अपने उद्धारकर्ता के नाई स्वीकार किया है, उसने महसूस किया है कि परमेश्वर ने उसे बचा लिया है। और अन्य लोग जो वहां पीछे है जिन्होंने अपने हाथ को उठाया, उनके हाथ को फिर से उठाएं ताकि लोग वहां देख सकें, आपके साथ संगति कर सकें।

233 उनके पास खड़े हुए, जो उनके आस–पास है कोई तो उनसे हाथ को मिलाएं। कहे, "परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर के राज्य में आपका स्वागत है, मेरे भाई, मेरी बहन।" संगती, यही है जो हम चाहते हैं। परमेश्वर आशीष दे... यहां कुर्सी पर बैठे इस युवक से हाथ मिलाएं। प्रभु उसके साथ हो। यह सही है। हम पवित्र आत्मा की संगति में आपका स्वागत करते हैं।

234 यदि आपने अभी तक बपतिस्मा नहीं लिया है, और बपतिस्मा लेने की इच्छा रखते हैं, अपने रास्ते को बनाये और पास्टर को इसके बारे में बताये। अगर आप बपतिस्मा लेना चाहते हैं, तो आज रात यहां के तालाब में पानी भी है। सब कुछ तैयार है। (क्या आपने किसी भी तरह से बपतिस्मा लिया था?) लेकिन यदि कोई बपतिस्मा लेना चाहता है तो तालाब तैयार है। बाईबल ने कहा, "पश्चाताप करो, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि प्रतिज्ञा तुम्हारे और तुम्हारे बच्चों के लिए है, वे जो आने पर है, जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएंगा।"

235 आप उससे प्रेम करते है? अपने हाथ को उठाये। ओह, क्या वो अद्भुत नहीं है? आपने इब्रानियों की इस किताब का आनंद लिया हैं? आप इसे पसंद करते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] जी हां। अद्भुत। अब, यह सुधार है। ओह, यह कड़क है और यह स्पष्ट है, लेकिन हम इसे

प्रेम करते हैं। इस तरह से हम इसे लेना चाहते हैं। इसके अलावा कोई जरिया नहीं होगा।

236 अब, क्या आप विश्वास करते हैं कि पौलुस के पास इस तरह से प्रचार करने का अधिकार है? पौलुस ने कहा, "यदि कोई दूत आकर और किसी अन्य सुसमाचार का प्रचार करे, तो वह शापित हो।" यह सही है? इसलिए हम उसे अपने पूरे हृदय से प्रेम करते हैं।

237 अब मैं पास्टर से कुछ समय के लिए यहाँ आने के लिए कहने कहूँगा, हमारे सबसे बहुमूल्य भाई, भाई नेविल, और उसके पास आपको बताने के लिए कुछ शब्द होंगे। और अब, यदि प्रभु की इच्छा हुई तो, हम बुधवार की रात को आपसे मिलेंगे, और भाई ग्राहम स्नेलिंग के पास एक सामुदायिक रात के लिए जाने की व्यवस्था करेंगे। और फिर 7वें और 8वें अध्याय के साथ यहां प्रचार को जारी रखने के लिए होंगे, इस आने वाली बुधवार की रात को। भाई नेविल।

इब्रानियों, अध्याय सात *1* HIN57–0915E

(Hebrews, Chapter Seven [1])

इब्रानियों श्रृंखला की किताब

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार शाम, 15 सितंबर, 1957 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org